पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 255

ग्वालियर, मंगलवार, 9 नवम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

नोटबंदी सफल थी तो भ्रष्टाचार खत्म क्यों नहीं हुआ और आतंकवाद पर चोट क्यों नहीं हुई: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। नोटबंदी के पांच साल हो गए। नोटबंदी के पांच साल पूरे होने पर कांग्रेस ने इसकी सफलता पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नोटबंदी के पांच साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि अगर यह कदम सफल था तो फिर भ्रष्टाचार खत्म क्यों नहीं हुआ और आतंकवाद पर चोट क्यों नहीं हुई? प्रियंका ने नोटबंदी को डिजास्टर बताया है। प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, %अगर नोटबंदी सफल थी तो भ्रष्टाचार खत्म क्यों नहीं हुआ ? कालाधन वापस क्यों नहीं आया ? अर्थव्यवस्था कैशलेस क्यों नहीं हुई आतंकवाद पर चोट क्यों नहीं हुई ? महंगाई पर अंकुश क्यों नहीं लगा दरअसल, आज ही के दिन पांच साल पहले पीएम मोदी नोटबंदी का ऐलान किया था। यही वजह है कि आठ नवंबर का दिन देश की अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक खास दिन के तौर पर दर्ज है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2016 में इसी दिन रात आठ बजे दूरदर्शन के जरिए देश को संबोधित करते हुए 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट बंद करने का ऐलान किया था। नोटबंदी की यह घोषणा उसी दिन आधी रात से लागू हो गई। इससे कुछ दिन देश में अफरातफरी का माहौल रहा और बैंकों के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं। बाद में 500 रुपये और 2000 रुपये के नये नोट जारी किए गए।

अब किस्तों में कीजिए हवाई टिकट का भुगतान, स्पाइसजेट ने दिया विकल्प

नई दिल्ली। स्पाइसजेट की फ्लाइट से हवाई यात्रा करने वाले अब किस्तों में टिकट के पैसे का भुगतान कर सकेंगे। स्पाइसजेट ने बुक नाउ, पे लेटर/कार्डलेस ईएमआई स्कीम शुरू की है। इसके तहत यात्री हवाई टिकट को ऑनलाइन बुक करने के बाद 3, 6 या 12 किस्तों में भुगतान कर सकेंगे। स्पाइसजेट ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा शुरुआती पेशकश के तहत ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त लागत (बिना ब्याज) के तीन महीने की ईएमआई के विकल्प का लाभ ले सकेंगे। कंपनी ने बताया कि ईएमआई योजना का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को पैन नंबर, आधार नंबर या वीआईडी जैसे बुनियादी ब्यौरे देने होंगे और इसे पासवर्ड से सत्यापित करना होगा। ग्राहकों को अपनी यूपीआई आईडी से पहली ईएमआई का भुगतान करना होगा और बाद की ईएमआई उसी यूपीआई आईडी से काट ली जाएगी। स्पाइसजेट ने बताया कि ईएमआई योजना का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को किसी क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का विवरण देने की जरूरत नहीं है। पे लेटर/कार्डलेस ईएमआई प्रॉडक्ट को वालनट 369 नाम दिया गया है। यह प्रॉडक्ट भारत के दिग्गज बाई नाउ, पे लेटर और क्रेडिट प्लेटफॉर्म कैपिटल फ्लोट द्वारा पावर्ड है।

शाहरुख की मैंनेजर पूजा को मुंबई पुलिस की एसआईटी ने भेजा समन

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन के ड्रग्स केस में फिरौती की रकम मांगने के मामले में मुंबई पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) जांच कर रही है।मामले में अब एसआईटी ने शाहरुख की मैनेजर पूजा ददलानी को पूछताछ के लिए समन भेजा है। आरोप है कि आर्यन खान को छुड़ाने के लिए पूजा ददलानी ने कथित तौर पर केपी गोसावी को 50 लाख रुपये की रकम दी थी। खबर है कि पूजा ने मुंबई पुलिस के समन का जवाब देकर कहा है, कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और उन्हें थोड़े वक्त की जरूरत है। पुलिस ने पूजा को शनिवार को पूछताछ के लिए बुलाया था। इससे पहले प्रभाकर सैल के बाद बिजनसमैन सैम डिसूजा ने दावा किया था कि पूजा ने आर्यन को गिरफ्तारी से बचाने के लिए केपी गोसावी को 50 लाख रुये दिए थे। प्रभाकर सैल ने दावा किया था कि सैम डिसूजा के साथ पूजा और गोसावी की मुलाकात 3 अक्टूबर की सुबह हुई थी। सैम ने बताया है कि पूजा ने गोसावी को 50 लाख रुपये दिए थे मगर बाद में पैसे पूजा को लौटा दिए गए थे।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में मूसलाधार बारिश की आशंका

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग कहा कि 10 और 11 नवंबर को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। इससे सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो सकते हैं। कुछ नदियों में बाढ़ आ सकती है। चेन्नई के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी गई है। अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। मौसम कार्यालय ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके 11 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु तट के पास पहुंचने की संभावना है। उनका कहना है इसके प्रभाव से 8 और 9 नवंबर को तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पीवी सिंधू, रानी रामपाल और कंगना को सम्मान

सुषमा स्वराज, अरुण जटेली और पूर्व रक्षामंत्री जार्ज फर्नांडीस को मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को आयोजित पद्म पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज , केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जटेली और पूर्व रक्षामंत्री जार्ज फर्नांडीस को मरणोपरांत पद्म विभूषण दिया गया।राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों यह पुरस्कार दिवंगत स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज ने प्राप्त किया।इसके अलावा खेल, मनोरंजन जगत के भी कई नामों को सोमवार को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।राष्ट्रपति कोविंद ने बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को पद्म भूषण अवॉर्ड से नवाजा।वहीं, महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी रानी रामपाल को पद्मश्री पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।हाल ही में संपन्न हुए टोक्यो ओलंपिक्स में रामपाल ने ही टीम की अगुवाई की थी। शास्त्रीय गायक छन्नूलाल मिश्रा को पद्म विभूषण 2020 दिया गया।इसके साथ ही गायक अदनान सामी को पद्मश्री अवॉर्ड 2020 से नवाजा गया। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को पद्मश्री अवॉर्ड मिला। इस दौरान चिकित्सा और रक्षा क्षेत्र के सदस्यों का भी सम्मान किया गया।इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर रमन

गंगाखेड़कर ने पद्मश्री अवॉर्ड 2020 हासिल किया। वहीं, एयर मार्शल डॉक्टर पद्मा बंदोपाध्याय को पद्मश्री अवॉर्ड से नवाजा गया। राष्ट्रपति भवन के ऐतिहासिक दरबार हाल में आयोजित भव्य समारोह में, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और पूर्व रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अरुण जेटली की पत्नी संगीता जेटली और सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को राष्ट्रपति कोविंद ने अवार्ड सौंपा। वहीं एयर मार्शल डा पदमा बंदोपाध्याय (सेवानिवृत्त) को आज चिकित्सा के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार मिला। वह भारत की पहली महिला एयर मार्शल हैं। इनके अलावा बांग्लादेश की दो शख्सियतों को भी सम्मानित किया गया है।

खेल और बालीवुड जगत से इनका सम्मान

खेल जगत से बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधू को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हाकी खिलाड़ी रानी रामपाल को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया। बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट और सिंगर अदनान सामी को 2020 के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके अलावा प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र को पद्म विभूषण पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

उज्ज्वला ने दूर किया चूल्हों का धुआं

मप्र में 70 प्रतिशत तक सिमटा केरोसिन का दायरा

प्रदेश में किसी समय केरोसिन का कोटा 13 करोड़ लीटर से अधिक था, जो चार करोड़ लीटर पर आ गया

भोपाल। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत देश के गरीब परिवारों को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन देने का मप्र में सकारात्मक असर देखने को मिला है। पिछले कुछ सालों में यहां केरोसिन (मिट्टी का तेल) का कोटा 70 प्रतिशत तक सिमट गया है। प्रदेश में किसी समय केरोसिन का कोटा 13 करोड़ लीटर से अधिक था, जो चार करोड़ लीटर पर आ गया है। भोपाल, इंदौर जैसे जिलों में तो केरोसिन के उपभोक्ता अब नाममात्र के रह गए हैं। गांवों में बढ़ते विद्युतीकरण के बाद घटते-घटते यह कम हो गया है। वहीं उज्ज्वला योजना आने के बाद चार-पांच साल में यह और कम हो गया है। सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केरोसिन वितरण की व्यवस्था की हुई है। उचित मूल्य दुकानों के जरिये राशन के साथ ही पात्र और जरूरतमंद उपभोक्ताओं को केरोसिन दिया जाता है।

एक लीटर भी नहीं उठाया केरोसिन

कुछ उपभोक्ता भंडार ऐसे भी हैं जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में एक लीटर भी केरोसिन नहीं उठाया। प्रदेश में यह बदलाव इसलिए आया है कि यहां सरकार की उज्जवला योजना के बाद काम हुआ है। खाद्य, उपभोक्ता संरक्षण और नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालक दीपक सक्सेना बताते हैं कि प्रदेश में 1.82 करोड़ परिवार हैं। इनमें से 86 प्रतिशत परिवारों में एलपीजी का कवरेज हो चुका है। दिसंबर तक हम इसे 95 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

त्रिपुरा हिंसा- यूएपीए से सच दबाया नहीं जा सकता : राहुल गांधी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में हुई हिंसा की घटना पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राज्य की पुलिस द्वारा 102 लोगों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (निषेध) कानून (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किए जाने की पृष्ठभूमि में सोमवार को कहा कि इस तरह सच्चाई को दबाया नहीं जा सकता। त्रिपुरा पुलिस ने राज्य में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर हुई हिंसा के संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कथित रूप से साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने को लेकर उच्चतम न्यायालय के चार वकीलों के खिलाफ कठोर कानून यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'त्रिपुरा के जलने के बारे में बताना सुधारात्मक कदम उठाने का आह्वान है। परंतु भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर्दा डालने की

अपनी पसंदीदा तरकीब के तहत संदेशवाहक को ही निशाना बना रही है। यूएपीए के जरिए सच को दबाया नहीं जा सकता।'

गौरतलब है कि त्रिपुरा पुलिस ने शनिवार को 102 सोशल मीडिया खाता धारकों के खिलाफ आपराधिक साजिश और फर्जीवाड़े के आरोपों में यूएपीए तथा भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब प्रशासन को नोटिस भेजकर इन खातों को फ्रीज करने और उनके बारे में सभी जानकारी मुहैया कराने को कहा है। त्रिपुरा में उच्चतम न्यायालय के वकीलों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों समेत 102 लोगों पर पुलिस की कार्रवाई पर हो-हल्ला मचने के बाद राज्य की पुलिस ने लोगों से कहा है कि वे सोशल मीडिया के अपुष्ट पोस्ट पर विश्वास न करें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि अगर वे इस तरह के पोस्ट लाइक करते हैं या रीट्वीट करते हैं तो यह 'अफवाह फैलाने की श्रेणी' में आएगा। त्रिपुरा पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कहा कि वे हालिया सांप्रदायिक मामलों की जांच पूरी तरह 'निष्पक्ष तरीके से और कानून के तहत' कर रहे हैं। राज्य पुलिस की कार्रवाई पर विपक्षी दलों, मानवाधिकार संगठनों और एडटिर्स गिल्ड ने सवाल उठाए हैं।

वैट कम करने की मांग को लेकर भाजपा विधायक बैठे धरने पर

नई दिल्ली। दिल्ली में वैट में कटौती करके पेट्रोल-डीजल के दामों में 10-10 रुपए की कमी करने की मांग को लेकर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास के बाहर धरना दिया। श्री बिधूड़ी ने घोषणा की कि जब तक केजरीवाल सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती का ऐलान नहीं करते, तब तक प्रतिदिन धरना दिया जाएगा। भाजपा के सभी विधायक सर्व विजेन्द्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, जितेन्द्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अभय

वर्मा और अजय महावर मुख्यमंत्री निवास के बाहर धरने में शामिल हुए। भाजपा विधायकों ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कमी करके डीजल की कीमतों में 10 रुपए और पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए की कमी करके जनता को राहत देने का एक बड़ा काम किया है। अब राज्य सरकारों की बारी है और दो दर्जन से ज्यादा राज्य सरकारें वैट में कटौती करके जनता को राहत दे चुकी हैं, लेकिन दिल्ली सरकार अपनी इस नैतिक जिम्मेदारी से भागती नजर आ रही है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने याद दिलाया कि 2018 में जब तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 5 रुपए प्रति लीटर की कटौती का ऐलान किया था, तब भी अनेक राज्य सरकारें हाथ बंटाने आगे आई थीं, लेकिन दिल्ली सरकार ने तब भी जनता को राहत देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली सरकार के सामने कोई गैर वाजिब मांग नहीं रख रहे हैं।

कुंभ में फर्जी तरीके से कोविड जांच मामले में कंपनी के मालिक व उनकी पत्नी गिरफ्तार

देहरादून। हरिद्वार में आयोजित कुंभ में फर्जी तरीके से कोविड जांच के जरिए करोड़ों रुपये का घोटाला करने के मामले में मैक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड के मालिक व उनकी पत्नी को उनके घर से गिरफ्तार किया। उन पर एक लाख से ज्यादा फर्जी कोविड-19 जांच का आरोप है। मामले की जांच उत्तराखंड की विशेष जांच टीम (एसआईटी) तथा प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने बताया कि बीती रात हरिद्वार पुलिस ने नोएडा के सेक्टर 48 में रहने वाले शरद पंत (45) तथा उनकी पत्नी मलिका (43) को गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ हरिद्वार जनपद में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के अलावा आपदा प्रबंधन कानून व महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। उन्होंने बताया कि आरोप के अनुसार इन लोगों ने एक लाख से ज्यादा फर्जी आरटी-पीसीआर जांच किया। और उत्तराखंड सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगाया। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद हरिद्वार रवाना हो गई है। पुलिस के अनुसार पंजाब के फरीदकोट के रहने वाले एक व्यक्ति को 22 अप्रैल को एसएमएस आया, जिसमें बताया गया था कि उनकी कोविड जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। विपिन ने दावा किया कि उन्होंने कभी कोविड जांच करवाया ही नहीं था।

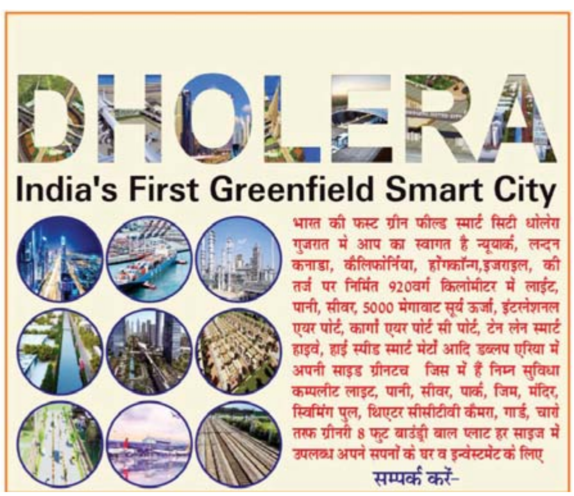

वन-टू-वन

गेल पर उठाये कार्तिक ने सवाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने वेस्टइंडीज के अनुभवी सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अभी उनकी फार्म अंतिम ग्यारह में जगह बनाने के लायक नहीं है। कार्तिक के अनुसार गेल को टी20 फॉर्मेट के सबसे महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। उनके नाम इस फॉर्मेट में कई बड़े रेकॉर्ड हैं पर वह इस टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर सके। इस विश्व कप में वह अपनी छवि के अनुरूप खेल नहीं पाये हैं। कार्तिक ने कहा, %गेल की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कहा जा सकता है कि अगर गेल भी स्वयं चयनकर्ता होते तो वह भी अपना चयन नहीं करते। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने अपनी क्षमताओं के साथ न्याय किया है। वह हर मैच में खेले पर उन्होंने अतीत में जो दम दिखाया है वह उसके हिसाब से नहीं खेले। मुझे लगता है कि अब उनपर उम्र का प्रभाव हो गया है और ऐसे में उन्हें दूसरी दिशा में सोचना चाहिए।% गेल कुल पांच मैचों में 45 रन ही बना पाए। टीम के खराब प्रदर्शन से भी वह दुखी दिखे। इस कारण टीम टी20 विश्व कप में उनकी टीम केवल एक मैच ही जीत पायी है।

गेंदबाजी कोच ने थकान और टॉस को बताया भारतीय टीम की हार का कारण

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने टी20 विश्व कप क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों को बताया है। अरुण के अनुसार बायो बबल (जैव सुरक्षित माहौल) की थकान के साथ ही टॉस हारने से भी टीम को नुकसान उठाना पड़ा। साथ ही कहा कि आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) और टी20 विश्व कप के बीच समय का अंतर कम होने से भी खिलाड़ियें की लय प्रभावित हुई। साथ ही कहा कि लगातार छह महीने से घर से दूर रहने के कारण खिलाड़ी मानसिक रुप से भी थके हुए थे। पिछले आईपीएल के निलंबित होने के बाद उन्हें एक छोटा ब्रेक मिला था, उसके बाद से ही खिलाड़ी घर नहीं गए थे। अरुण ने कहा, 'कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए खिलाड़ी छह महीने से जैव सुरक्षित माहौल में हैं पर इससे शरीर पर नकारप्रभाव पड़ता है। वहीं आईपीएल और विश्व कप के बीच एक छोटा सा ब्रेक (समय) खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद हो सकता था। इस टूर्नामेंट में टॉस भी ज्यादा ही अहम रहा। पहली और दूसरी पारी में बल्लेबाजी में काफी फर्क दिखा। इसके साथ ही ओस के कारण दूसरी पारी में गेंदबाजी करना भी कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, 'टॉस ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और मेरा मानना है कि इस तरह के टूर्नामेंट में टॉस का परिणाम पर कोई असर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यहां टॉस जीतने वाली टीम को गैरजरुरी लाभ मिला है और पहली पारी में बल्लेबाजी और दूसरी पारी में बल्लेबाजी में बहुत बड़ा अंतर रह रहा है जो इस प्रकार के बड़े टूर्नामेंटों में नहीं होना चाहिये था।

एनटीपीसी को आगे बढ़ने की जरूरतः आरके सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी को आगे बढ़ते रहने की जरूरत है क्योंकि भारत में ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है। एनटीपीसी ने उत्कृष्टता और नेतृत्व के 46 वर्ष पूरा करने पर अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सिंह ने एनटीपीसी की अनुकरणीय यात्रा और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान के लिए सराहना की। एनटीपीसी के एक बयान के अनुसार सिंह ने कहा ?कि एनटीपीसी एक विशेष कंपनी है। यह हमारे देश का सबसे बड़ा ऊर्जा प्रदाता है, जो विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है। सिंह ने एनटीपीसी के स्थापना दिवस के अवसर पर पीएमआई, एनटीपीसी-नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में एनटीपीसी के वरिष्ठ प्रबंधन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबोधित किया। अपने संबोधन में, सिंह ने कंपनी की उपलब्धियों, विशेषज्ञता और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया और देश के ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव लाने में एनटीपीसी की भूमिका की भी चर्चा की।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का आईपीओ खुला

नई दिल्ली। निवेशकों के लिए एक और शानदार सप्ताह की शुरुआत हो गई है। सोमवार को मर्चेंट पेमेंट कंपनी पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का 18300 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल गया है। यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ है। निवेशकों को लंबे समय से इसका इंतजार था। 10 नवंबर तक इस आईपीओ में पैसा लगा सकते हैं। पेटीएम के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 2,080 रुपए से 2,150 रुपए प्रति शेयर रखा गया है। कंपनी ने न्यूनतम बिड लॉट साइज 6 इक्विटी शेयरों पर और उसके बाद 6 शेयरों के गुणकों में तय किया है। खुदरा निवेशक एक लॉट के लिए न्यूनतम 12,900 रुपए का निवेश कर सकते हैं और उनका अधिकतम निवेश 15 लॉट के लिए 1,93,500 रुपए होगा। इश्यू साइज 18,300 करोड़ रुपए है। ताजा इश्यू 8,300 करोड़ रुपए का है जबकि ऑफर फॉर सेल 10,000 करोड़ रुपए का है। बाजार में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 18 नवंबर को हो सकती है। कंपनी का लक्ष्य पेटीएम के इकोसिस्टम को और मजबूत करना है, जिसमें उपभोक्ताओं और व्यापारियों के अधिग्रहण और रिटेंशन व उन्हें प्रौद्योगिकी और वित्तीय सेवाओं (4,300 करोड़ रुपए) तक अधिक पहुंच प्रदान करना शामिल है। कंपनी का लक्ष्य अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के साथ नई व्यावसायिक पहल, अधिग्रहण और रणनीतिक साझेदारी (2,000 करोड़ रुपए) में निवेश करने का भी है। पेटीएम उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिए भारत के डिजिटल इकोसिस्टम में अग्रणी है। यह सबसे बड़ा भुगतान प्लेटफॉर्म है। इसका कुल व्यापारी आधार 31 मार्च, 2019 तक 11.2 मिलियन से बढ़कर 31 मार्च, 2021 तक 21.1 मिलियन हो गया है।

विराट ओर शास्त्री का सपना टूटा, भारतीय टीम हर क्षेत्र में रही नाकाम

धोनी की रणनीति भी काम न आई

दुबई। आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट की शुरुआत में खिताब की सबसे प्रबल दावेदार रही भारतीय टीम आंखिरकार इस टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। इसी के साथ ही भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और मुख्य कोच रवि शास्त्री के अरमानों पर भी पानी फिर गया। विराट का यह टी20 में कप्तान के रुप में अंतिम टूर्नामेंट था जबकि कोच के रुप में शास्त्री का करार अब समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अपने दोनो ही अभ्यास मैच जीतकर अच्छी शुरुआत की थी पर इसके बाद उसे एक के बाद एक हार मिलती गयी। यहां तक की उसे पहली बार विश्व कप में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ताकत बल्लेबाजी मानी जाती है पर इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह नाकाम रहे, कप्तान विराट कोहली ने हालांकि अपनी ओर से प्रयास किया पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। इसके बाद गेंदबाजी में भी भारतीय खिलाड़ी लय में नहीं दिखे यहां तक कि विश्व के सबसे अच्छे गेंदाबाजों में शामिल जसप्रीत बुमराह भी विकेट नहीं ले पाये। पहले मुकाबले में पाकिस्तान टीम ने दस विकेटों से जीत दर्ज की। वहीं दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी गेंदबाज विकेट के लिए तरस गये हालांकि बुमराह को दो विकेट मिले पर वह भी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये। , इस टूर्नामेंट में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को रखा गया पर वह गेंदबाजी नहीं कर पाये और बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इस कारण पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी उन्हें टीम में जगह दिये जाने को लेकर सवाल उठने लगे। वहीं तेज गेंदबाज भुवनेश्वर भी पूरी तरह असफल रहे। टीम प्रबंधन ने बदलाव के तौर पर कीवी टीम के खिलाफ दूसरे मुकाबले में रोहित शर्मा की जगह ईशान किशन से पारी शुरु करायी पर यह प्रयोग भी कोई काम नहीं आया। ईशान के अलाव ऑलराउंड शार्दुल ठाकुर भी गेंद और बल्ले दोनो से ही नाकाम रहे।

इस टूर्नामेंट में महेंद्र सिंह धोनी को टीम इंडिया का मेंटॉर बनाया गया था जिस कारण उम्मीद थी कि भारतीय टीम और अच्छा प्रदर्शन करेगी पर हुआ इसके विपरीत ही। इससे साफ है कि धोनी की रणनीति भी कोई काम नहीं आयी। वहीं धोनी जब टीम इंडिया से जुड़े तो कप्तान विराट कोहली सहित सभी का मानना था कि उनके अनुभव और रणनीति बनाने की छमता भारतीय टीम के काम आएगी। टीम के पास जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा जैसे मैच विजेता खिलाड़ी थे पर कोई भी अपने रंग में नजर नहीं आया और टीम कागजी शेर साबित हुई।

वार्नर की क्षमताओं पर कभी संदेह नहीं रहाः लैंगर

अबुधाबी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने आक्रामक बल्लेबाज डेविड वार्नर की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें उनकी क्षमताओं और समर्पण भावना पर कभी कोई संदेह नहीं रहा है। वार्नर पिछले काफी समय से लय में नहीं थे पर वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाते हुए सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लैंगर ने कहा कि वॉर्नर काफी फिट भी हैं पर इस बार उनकी फिटनेस एक अलग स्तर पर है जबकि उनकी उम्र में फिटनेस के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यहां गर्मी वाले हालातों में विकेटों की बीच उसकी दौड़ शानदार रही। इससे अच्छा करने की उसकी इच्छा के बारे में पता चलता है। वार्नर के लय में आने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी बेहतर हो गयी है।

खराब बल्लेबाजी के कारण हारी भारतीय टीम : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के अनुसार कि टी20 विश्व के पहले दो मैचों में खराब बल्लेबाजी के कारण ही भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। गावस्कर के अनुसार पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मैचों में भारतीय टीम रन नहीं बना पायी। गावस्कर ने कहा कि टीम इंडिया ने दोनों मैचों में रन नहीं बनाए और यही हार को एकमात्र कारण रहा। भारत को दोनों ही हार बहुत भारी पड़ी और इन दो हार के चलते वह 2007 के बाद पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी है। गावस्कर ने टीम इंडिया से कहा कि वह पावरप्ले में अपने खेल को बदले।

गौरतलब है कि भारतीय टीम सुपर 12 के पहले दो मैचों में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से हारने के कारण सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। गावस्कर ने कहा, %जिस तरह से पाक और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने हमारे बल्लेबाजों को रोका ओर उन्हें खेलने का कोई अवसर नहीं दिया उससे टीम रन नहीं बना पायी। वहीं टॉस से भी प्रभाव पड़ा। दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी आसान रही क्योंकि गेंद टर्न नहीं कर रही थी और स्पिनरों की गेंदें सीधी जा रही थीं।% उन्होंने कहा, %बाद में बल्लेबाजी करने का फायदा था पर अगर हमारी टीम ने शुरुआत में ही 180 रन बनाए होते तो गेंदबाजों को अतिरिक्त 20-30 रन बचाव के लिए मिलते। उन्होंने कहा कि जब आप न्यूजीलैंड के खिलाफ 111 बना रहे हैं तो ओस मायने नहीं रखती। हमने रन नहीं बनाए और यही अहम कारण है, और कुछ नहीं। गावस्कर ने कहा कि टीम में बड़े बदलाव की जरुरत नहीं हैं। उन्होंने टीम से पावरप्ले के ओवरों में अपना रवैया बदलने को कहा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि टीम में बड़े बदलाव से कोई अंतर पड़ेगा। आपको अपना रवैया बदलने की जरूरत है, जैसे पावरप्ले ओवरों का लाभ उठाना जैसा कि भारत पिछले कुछ वर्ल्ड कप में नहीं कर पाया। गावस्कर ने कहा, सच यह है कि पहले छह ओवरों में केवल दो फील्डर 30 गज के दायरे के बाहर होते हैं, भारत ने आईसीसी के पिछले कुछ टूर्नामेंट्स में इसका फायदा नहीं उठाया।

एक टी20 विश्वकप में सबसे ज्यादा चार अर्धशतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने आजम

हेडन और विराट की बराबरी पर आये

शारजाह। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप 2 मुकाबले में 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही आजम ने टी20 विश्व कप में अपना चौथा अर्धशतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के किसी टी20 विश्वकप में सबसे ज्यादा चार अर्धशतक लगाने के रिकार्ड की बराबरी की है। इस टूर्नामेंट में पाक कप्तान ने अपने करियर का 25वां अर्धशतक लगाया। बाबर ने 40 गेंदों पर यह अर्धशतक पूरा किया है। हेडन ने साल 2007 के टी20 विश्व कप में चार अर्धशतक लगाये थे वहीं कोहली ने साल 2014 के टी20 विश्व कप में चार अर्धशतक बनाये थे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने का रेकॉर्ड भी कोहली के नाम है। कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 29 वहीं रोहित शर्मा ने 27 अर्धशतक लगाये हैं। बाबर के नाम 25 टी20 अर्धशतक अर्धशतक है।

इस विश्व कप में बाहर ने भारत के खिलाफ

68 जबकि नामीबिया के खिलाफ 70 रन बनाए जबकि स्कॉटलैंड के खिलाफ 66 रन की पारी खेली। बाबर ने टी20 कप्तान के रुप में सबसे अधिक 15 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं इस सूची में कोहली 13 अर्धशतकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच 11 के साथ ही तीसरे और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन 11 के साथ ही चौथे नंबर पर हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी , कोटक बैंक के साथ ही प्रमुख आई टी कंपनी इंन्फोसिस के शेयरों में बढ़त से बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद ही तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 477.99 अंक करीब 0.80 फीसदी ऊपर आकर 60,545.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 151.75 अंक तकरीबन 0.85 फीसदी के लाभ के साथ ही 18,068.55 अंक पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन का शेयर सबसे अधिक चार फीसदी बढ़ा है। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, कोटक बैंक और एचडीएफसी के शेयर भी लाभ में रहे जबकि दूसरी ओर इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे अधिक 10 फीसदी से ज्यादा गिरा। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई, मारुति, एशियन पेंट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर भी नुकसान में रहे।

बैंक कटे-फटे नोट बदलने से इनकार नहीं कर सकता, हो सकती है कार्रवाई

देश के किसी भी बैंक में बदलवाए जा सकते हैं कटे-फटे करेंसी नोट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के मुताबिक कोई बैंक कटे-फटे करेंसी नोट बदलने से इनकार नहीं कर सकता है। इन पर बट्टा भी नहीं काटा जाएगा1 अगर कोई बैंक ऐसा करने से इनकार करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। रिजर्व बैंक ने कटे-फटे करेंसी नोट बदलने के दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। कटे-फटे करेंसी नोट देश के किसी भी बैंक में बदलवाए जा सकते हैं। इसके लिए आपका होम ब्रांच जाना ही जरूरी नहीं है, लेकिन इसकी कुछ शर्तें भी हैं। बता दें कि नोट जितनी बुरी हालत में होगा, उसकी कीमत उतनी ही कम होती जाएगी। अगर आपके पास 5, 10, 20, 50 जैसे कम मूल?य के कटे-फटे करेंसी नोट हैं तो इनका कम से कम 50 फीसदी हिस्सा होना जरूरी है। ऐसा होने पर आपको उस करेंसी नोट का पूरा मूल्य मिलेगा। वहीं, 50 फीसदी से कम हिस्सा होने पर आपको कुछ भी नहीं मिलेगा। जैसे अगर आपके पास 5 रुपए का कटा-फटा नोट है और उसका 50 फीसदी हिस्सा सुरक्षित है तो आपको बदले में पूरे 5 रुपए मिलेंगे। रिजर्व बैंक के मुताबिक अगर आपके पास 20 से ज?यादा कटे-फटे हुए नोट हैं और उनका कुल मूल?य 5,000 रुपए से ज्यादा है तो बदलवाने पर ट्रांजैक्शन फीस भी देनी होगी। नोट बदलवाने के लिए जाने से पहले देख लें कि उसमें गांधीजी का वाटरमार्क, गवर्नर के साइन और सीरियल नंबर जैसे सिक्योरिटी सिंबल्स दिखने चाहिए। अगर आपके पास मौजूद फटे नोट में ये सभी सिंबल्स हैं तो बैंक को करेंसी नोट बदलना ही होगा। आरबीआई ने बहुत ज्यादा टुकड़ों में बंट गए करेंसी नोट को बदलवाने के भी नियम बनाए हैं। हालांकि इसके बदलने नए नोट मिलने की प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है। दरअसल, इसके लिए आपको आरबीआई की ब्रांच में पोस्ट से ये नोट भेजने होंगे। इसमें आपको अपने अकाउंट नंबर, ब्रांच का नाम, आईएफएससी कोड, नोट की कीमत की जानकारी भी देनी होगी। रिजर्व बैंक आपसे लिए गए कटे-फटे करेंसी नोटों को प्रचलन से हटा देता है। इसकी जगह नए नोटों को छापने की जिम्मेदारी भी आरबीआई की ही होती है। पहले

मोटोरोला के फोन्स एक बार चार्ज करने पर चलेंगे हफ्तों तक

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला मोटो 10, मोटो 50 और मोटो 70 लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ये फीचर फोन्स 1,750 एमएएच बैटरी के साथ पेश किए जा सकते हैं। वहीं, इनमें डुअल सिम सपोर्ट और दो साल की रिप्लेसमेंट गारंटी स्कीम भी उपलब्ध कराई जाएगी। आपको बता दें कि मोटोरोला ने हाल ही में स्मार्टफोन की एक सीरीज लॉन्च की है। कंपनी ने मोटो एडज 20 सीरीज को भारत और वैश्विक मार्केट्स में आधिकारिक तौर पर पेश कर दिया है। इसमें एडज 20, एडज 20 फुजन और एडज 20 प्रो शामिल हैं। स्मार्टफोन कंपनी ने बजट और मिड-रेंज कैटेगरी में ई40 और दूसरे अन्य विकल्प भी लॉन्च कर दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोटो ए10 और मोटो ए 50 में एमटी 6261डी चिपसेट दिया गया होगा जो मी?डियाटेक द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। यह फीचर फोन 1.8 इंच की कलर स्क्रीन के साथ आता है। साथ ही इसमें टॉर्च और फिजिकल बटन भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें एसडी कार्ड स्लॉट भी दिया गया है। इसकी स्टोरेज को 32 जीबी तक बढ़ाया जा सकेगा। साथ ही इसके टॉप पर 3.5एमएम ऑडियो जैक दिया गया होगा। मोटो ए10 में कैमरा नहीं दिया जाएगा। वहीं, मोटो ए 50 के बैक में कैमरा दिया जाएगा। इस लाइनअप में मोटो ए 70 अगला फोन है। यह बाकी दोनों से थोड़ा-सा प्रीमियम है। इसमें 2.4 इंच का डिस्प्ले दिया गया है। इसके यूनीसोक चिपसेट से लैस होने की संभावना है। इसमें टॉर्च, एफएम और अन्य फीचर्स भी दिए होंगे। मोटो ए 10 की बात करें तो इसकी कीमत भारत में 1,500 रुपये के आस-पास हो सकती है। वहीं, मोटो ए 50 और मोटो ए70 की कीमत 2,000 रुपये से कम होगी। हालांकि, मोटोरोला ने अभी तक आधिकारिक तौर पर स्मार्टफोन के लॉन्च होने की घोषणा नहीं की है।

साथ ही फोन की कीमत और उपलब्धता की जानकारी भी नहीं दी गई है। मोटोरोला जी51 के फीचर्स की बात करें तो को मिड-रेंज कैटेगरी में लॉन्च किया गया था। इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 480+ एसओसी दिया गया है। इसमें 5000 एमएएच की बैटरी दी गई है। इसके डिस्प्ले में फ्रंट कैमरे के लिए पंच होल कट-आउट दिया गया है। साथ ही स्मार्टफोन में पीछे की तरफ एक कैप्सूल के आकार का कैमरा मॉड्यूल दिया गया है जिसमें तीन सेंसर हैं।

सोना 48,000 से ऊपर, चांदी में भी तेजी

मुंबई। दिवाली के बाद सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलिवरी वाला सोना हफ्ते के पहले दिन 48,000 रुपए के ऊपर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी तेजी दिख रही है। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलिवरी वाले सोने का भाव सोमवार को 48,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 47,972 रुपए पर बंद हुआ था और सोमवार को 28 रुपए की तेजी के साथ 48,000 रुपए पर खुला। सुबह यह 72 रुपए की तेजी के साथ 48,044 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। दिसंबर डिलिवरी वाली चांदी भी 435 रुपए की तेजी के साथ 64,767 रुपए प्रति किलो पर ट्रेड कर रही थी। आने वाले दिनों में सोने की कीमतें बढ़ने का अंदाजा लगाया जा रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि महंगाई समेत अर्थव्यवस्था से जुड़ी अन्य चिंताओं की वजह से सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। वैसे भी हर विशेषज्ञ यह सलाह देता है कि पोर्टफोलियो में 10-15 फीसदी हिस्सा सोने में निवेश जरूर करना चाहिए, ताकि सिक्योरिटी बनी रहे। महंगाई और अर्थव्यवस्था से जुड़ी अन्य चिंताओं के मामले में सोने के हेजिंग के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने 10, 17, 24 नवम्बर एवं 4 दिसम्बर को जिले में कोविड वैक्सीन

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर कोविड वैक्सीन द्वितीय डोज टीकाकरण महाअभियान, लोकल इलेक्शन, समाधान एक दिवस, सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा कर विभिन्न निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने समीक्षा बैठक में 10, 17, 24 नवम्बर एवं 4 दिसम्बर को जिले में कोविड वैक्सीन द्वितीय डोज टीकाकरण महाअभियान के संवंध स्वास्थ विभाग, महिला बाल विकास विभाग, एसडीएम एवं सीईओ जनपद को निर्देशित किया कि द्वितीय डोज हेतु ड्यू व्यक्तियों का आयोजित महाअभियान में टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें। इस हेतु जिले 80 सेक्टर चिन्हित किए गए है जिनके अंतर्गत आने वाले ग्राम एवं वार्ड में टीकाकरण किया जायेगा। कलेक्टर ने कड़े शब्दों में कहा कि टीकाकरण कार्य में लापरवाही कर रहे संवंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने बैठक में लोकल इलेक्शन की तैयारियों की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन संवंधी विभिन्न जानकरियाँ प्राप्त की। कलेक्टर ने बैठक में सामधान एक दिवस, सीएम हेल्पलाइन आदि की भी समीक्षा कर निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रवीण फुलपगारे, संयुक्त कलेक्टर बरूण अवस्थी, डिप्टी कलेक्टर महेश बडोले, एसडीएम भिण्ड-अटेर उदयसिंह सिकरवार, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा के अलावा अन्य अधिकारी वर्चुअल रूप से उपस्थित थे।

जमीनी विवाद को लेकर युवक की मारपीट

भिण्ड। गोरमी थानाक्षेत्रान्तर्गत जमीनी विवाद को लेकर चार लोगों ने एकराय होकर एक युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपीगणों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार देवेन्द्र पुत्र दयाराम बघेल उम्र 36 वर्ष निवासी सिकरौंदा ने बताया सोमवार सुबह 7 बजे घर के बाहर उसी गांव निवासी भूपेन्द्र बघेल, मनोज बघेल, जवानसिंह बघेल, मोहरसिंह बघेल ने एकराय होकर जमीनी को लेकर मारपीट कर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर उक्त आरोपीगणों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 1 लाख 46 हजार की रकम की पार

भिण्ड। गोरमी थाना क्षेत्र के मेहगांव रोड पर स्थित सब्जी मंडी के पास लगे एक एटीएम बूथ पर एक अज्ञात बदमाश ने एक वृद्ध का कार्ड बदलकर उसके खाते से लाखों रुपये की नगदी पार कर दी, जब वह बैंक में पास बुक एंट्री कराने के लिए पहुंचा तब उसके साथ हुई धोखाधड़ी का राज खुलकर सामने आया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर उक्त आरोपीगणों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार प्रशांत कुमार पुत्र जीराखन भदौरिया उम्र 73 वर्ष निवासी माड़ेन ने बताया विगत 4 जून 2021 सुबह 9 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने क्षेत्र के मेहगांव रोड पर स्थित सब्जी मंडी के पास लगे एक एटीएम बूथ पर वह रुपये आहरण करने के लिए गया था, इसी दौरान उसका कार्ड बदलकर उसके खाते से 1 लाख 46 हजार रुपये की नगदी साफ कर दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

315 बोर कट्टा व 3 राउंड के साथ युवक गिरफ्तार

भिण्ड। असवार थाना क्षेत्र के गिरवासा पुलिया के पास एक युवक किसी वारदात को अंजाम देने की नियत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा था, जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे दबोचकर हिरासत में लिया और उसके पास से कट्टा व कारतूस जब्त किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर 12.45 बजे भगवानसिंह कुशवाह ग्राम गिरवासा जो क्षेत्र की पुलिया के पास किसी घटना को अंजाम देने की नियत से खड़ा हुआ था, सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे दबोचकर हिरासत में लिया और उसके पास से एक 315 बोर कट्टा व 3 जिंदा राउंड जब्त किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

किरायेदार के साथ किशोरी भागी, पुलिस तलाश में जुटी

भिण्ड। मालनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हरीराम पुरा में एक किशोरी आधी रात को घर से बिना बताये अपने आशिक के साथ भाग गई और बाहर से कुंदी लगा दी, जब सुबह परिजनों की नींद खुली तो घर का दरबाजा नहीं खुला तो पड़ासियों को आवाज लगाई, जिसके बाद गेट खोला गया और परिजनों ने अपनी लड़की सभी जगह तलाश की लेकिन किसी तरह का उसके बारे में सुराग नहीं लगा तो थाने पहुंचकर एक संदेही युवक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस के अनुसार रविवार-सोमवा आधी रात 2.30 बजे जब परिवार के लोग गहरी नींद में सो रहे थे।

गौशालाओं पर करोड़ो रुपये खर्च, फिर भी सड़कों पशु

शहर की सड़कों से नपा प्रशासन मवेशी हटाने में नाकाब, तो ग्रामीण स्तर पर फसलों को कर रहे बर्वाद

भिण्ड। जिलेभर में गोशालाओं पर करोडों रुपये खर्च किए गए हैं। करोडों खर्च करने के बाद भी गोवंश सड़कों पर धमा चौकडी मचा रहे है। इसके पीछे कारण यह है कि जिन पंचायतों में गौशालाएं बन कर तैयार हो चुकी हैं। उनमें से अधिकतर का संचालन मनमाने ढंग से किया जा रहा है। जिससे पशुओं को गोशालाओं में स्थान न मिलने के कारण ऐसे पशु सड़कों पर अपना डेरा जमाए रहते हैं। पशुओं के सड़कों पर डेरा जमाए रहने के कारण सड़कों पर हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ज्यादातर लोग गाय को माता मानकर उसका पूजन करते हैं, इसके बाद भी गाय को सड़कों पर छोडा जा रहा है। सरकार ने गोवंश की दुर्दशा को देखते हुए, प्रत्येक पंचायत में गौशाला निर्माण कराने का फैसला किया था। वर्तमान में जिले में लगभग पंचायतों में गौशाला बन कर भी तैयार हो गई हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर में गोवंश को रखने की उचित व्यवस्था नहीं की जा रही है। शासन से मिलने वाले बजट का आहरण करने के लिए कागजों पर तो मवेशी दर्ज किए जा रहे हैं, लेकिन ज्यादातर गोशालाओं में मवेशी न के बराबर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में घूम रहे मवेशी किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे किसानों द्वारा फसल की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इन मवेशियों को शहर या कस्बों के आसपास छोड दिया जाता है। जहां ये सड़कों व गलियों में अपना डेरा जमा लेते हैं और या तो ये खुद दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं या इनकी वजह से राहगीर व वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर अपनी जान गंवा देते हैं। हालांकि गौसेवकों द्वारा कुछ गोशालाओं में ऐसे मवेशियों को रखने के इंतजाम किए जाते हैं, लेकिन वे नाकाफी हैं। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर ध्यान न देने से करोडों खर्च के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। जिसके लिए सरपंच, अधिकारी व जनप्रतिनिधि जिम्मेदार है अगर सभी अपनी-अपनी जिम्मेदार निभाएं तो कोई भी मवेशी सड़कों पर दिखाई नहीं देगा।

ग्राम पंचायत स्तर पर हालात बत्तर, जिले में गौशालाएं खाली: जिले से लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर गौवंश की व्यवस्था के लिए प्रत्येक पंचायत में कांग्रेस के कार्यकाल में गौशालाओं का निर्माण कराया गया ताकि गौवंश को परेशान न होना पड़े। लेकिन कांग्रेस की सरकार जाते ही भाजपा सरकार के राज्य में करोड़ो लाखों रुपये खर्च कर बनायी गई गौशालाओं का संचालन नहीं हो पा रहा है जिस कारण अधिकांश मवेशी सड़क पर घूमते हुए आमजन के लिए आफत बने हुए है तो ग्रामीण स्तर पर खुले में घूमने वाले मवेशी किसानों की फसल चौपट करने में लगे हुए है इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए कईबार जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की गई तो सुनवाई नहीं हो पा रही है।

मवेशी पालकों पर होना चाहिए कार्रवाई: घरों में गाय को दूध के लिए पालने वाले ज्यादातर गौपालक या किसान गाय को तभी तक घर में बांधते हैं, जब तक वह दूध देती है। दूध देना बंद करते ही गायों को घर में खिलाने-पिलाने की व्यवस्था करने की बजाय ऐसे लोगों द्वारा उन्हें अगली ब्यात तक के लिए घर से भगा दिया जाता है। घर से भगाने का मुख्य कारण यह है कि देशी गाय दूध उत्पादन में कम रहती है और इस कारण इसकी कीमत भी भैंस आदि से बहुत कम होती है। जिससे उनके चोरी हो जाने या खो जाने का डर उन्हें पालने वालों को नहीं रहता है। इसी प्रकार खेती संबंधी कामों में गोवंश का उपयोग न रह जाने के कारण नर गोवंश को जन्म के बाद मां गाय का दूध निकलने तक तो रखा जाता है, उसके बाद हमेशा के लिए छोड दिया जाता है। गौपालकों व किसानों का यह रवैया ही गोवंश की दुदर्शा का बड़ा कारण है।

इनका कहना है: सरकार ने मवेशियों के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर गौशालाएं तो बनाकर तैयार कर दी, लेकिन ठीक से संचालन नहीं होने से गौवंश खुलेआम घूमकर किसानों की फसले बर्वाद करने में लगे हुए हैं।

-रूपसिंह, निवासी मोहनसिंह का पुरा

बाजार में मवेशी सड़कों पर घूमते हैं जो किसी भी राहगीर को निशाना बनाकर घायल कर देते हैं, इस समस्या से निजात दिलाने के लिए कोई अधिकारी ध्यान नहीं दे रहा है।

मोनू सिंह जैन, सदर बाजार भिण्ड

ऑक्सीजन प्लांट को सतत विद्युत आपूर्ति रखते हुए अल्प समय में बदल डाला पावर ट्रांसफार्मर

उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कृत किए गए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी मालनपुर के कनिष्ठ अभियंता सतीश धुर्वे

भिण्ड । करोना काल में जहां मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट से कोविड-19 अस्पतालों में लगातार ऑक्सीजन की आपूर्ति होने में विद्युत रुकावट न होने देने की चुनौती थी वही मालनपुर मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के 220 केवी सबस्टेशन मालनपुर में 50 एमवीए ट्रांसफॉर्मर को जल्द से जल्द बदल कर विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था बनाए जाने की जरूरत थी दोनों अति महत्वपूर्ण कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देते हुए 220 केवी सबस्टेशन मालनपुर के कनिष्ठ अभियंता इंजीनियर सतीश कुमार धुर्वे ने जबरदस्त कार्य क्षमता दिखाते हुए न केवल अल्प समय में सब स्टेशन में नया 50 एम वी ए ट्रांसफार्मर स्थापित करने में सहयोग दिया बल्कि इस दरमियान औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में स्थित ऑक्सीजन प्लांट में लगातार विद्युत आपूर्ति बहाल रखने की चुनौती को भी स्वीकार किया और इन समूचे कार्य के दौरान में एक बार भी व्यवधान नहीं आया उनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए विगत दिवस उन्हें भोपाल में एक कार्यक्रम में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने उन्हें सिल्वर मेडल प्रशस्ति पत्र और 5000 नगद राशि से पुरस्कृत किया।

कोरोना में भय के वातावरण में कार्मिकों ने दिया असाधारण कार्य क्षमता का परिचय: इस अवसर पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने कहा कि कोरोना के भय के बीच पिछले एक वर्ष में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्मिको ने अपने कार्य कौशल और दृढ़ता के साथ अनेक लक्ष्यों को समय पूर्व पूर्ण कर असाधारण कार्य क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस बीच कंपनी की सेवा करते हुये बहुत से कार्मिक कोरोना से प्रभावित हुये और उनमें से अनेकों को असमय खोना पड़ा पर कंपनी के कार्मिकों का जज्बा था कि उन्होंने समूचे प्रदेश में अनवरत विद्युत आपूर्ति जारी रखने में कोई कसर नही छोड़ी।

अटेर को नगर पंचायत बनाए जाने पर अंचल का हो सकेगा सर्वांगीण विकास : बौहरे

भिण्ड। सुप्रसिद्ध भदावर कालीन ऐतिहासिक नगरी अटेर ग्राम पंचायत को आसपास के गांवों से जोड़कर नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है इसके लिए समय-समय पर धरना प्रदर्शन आंदोलन भी किए गए हैं परंतु सरकार द्वारा इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया जबकि भिंड जिले के रौन एवं मालनपुर क्षेत्र को नगर पंचायत का दर्जा दिया जा चुका है। अटेर को नगर पंचायत बनाए जाने पर ही इस अंचल का सर्वांगीण विकास हो सकेगा शीघ्र ही इसके लिए क्षेत्र के लोगों को एकजुट कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। यह बात अटेर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी बीके बौहरे ने अटेर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में गांव-गांव निकाली जा रही जन संवाद यात्रा के रविवार को रैपुरा गांव पहुंचने पर उपस्थित ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान बौहरे ने उपस्थित ग्रामीण जनों से उनकी समस्याओं को जाना।उपस्थित ग्रामीण जनों ने मांग की कि रैपुरा गांव में बरसों पूर्व संजय निकुंज के नाम से विकसित किए गए उद्यान का जीर्णोद्धार किया जावे, रैपुरा मोड़ के निवासियों एवं दुकानदारों को बिजली की सुविधा ना होने के कारण वहां पर विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाए, गांव के भूमिहीन किसानों को बीहड़ की जमीन का पट्टा दिया जावे, गांव के अंदर पशुओं के गर्भाधान के लिए ट्रेविस (कटघरा) स्थापित किया जावे, गांव के प्राचीन तालाब का जीर्णोद्धार किया जावे। संवाद यात्रा के दौरान शिव कुमार दीक्षित, संजय पुरोहित, मुन्नालाल शर्मा, आनंद शमा, रामकिशोर शर्मा, प्रहलाद शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, रामसिया शर्मा, रामखिलाड़ी शर्मा, रामनरेश दोनेरिया, राजेंद्र शर्मा, नरेंद्र दोनेरिया, रामकिशन शर्मा, रामचंद्र शर्मा, संतोष शर्मा, अम्बर डंडोतिया, बैजनाथ सिसोदिया, हरिशंकर थापक, गिरजा शंकर थापक, संजू पुरवंशी, गोलू थापक, संतोष शर्मा, सुरेश सिंह मामा कल्याण प्रजापति आलोक शर्मा अमन शर्मा सुभाष शर्मा विशाल शर्मा शोभाराम शर्मा कुलदीप शर्मा अंकित शर्मा राजेंद्र जाटव सहित तमाम ग्रामीणजन मौजूद रहे।

जनजातीय गौरव दिवस के लिए सभी प्रकार की तैयारियां सुनिश्चित की जावे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीसी के माध्यम से की जिलावार तैयारियों की समीक्षा

भिण्ड । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 15 नवम्बर को राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित किया जा रहा है। राज्य स्तरीय समारोह भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित किया जावेगा। इसलिए जनजातीय गौरव दिवस के लिए जिला कलेक्टर सभी प्रकार की तैयारियां सुनिश्चित करें। वे आज वीसी के माध्यम से प्रदेश के कलेक्टर्स, संभागायुक्त, विभागीय अधिकारियों को आज संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव दिवस को संबोधित करेंगे। इसलिए गौरव दिवस के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जिला कलेक्टर व्यवस्थाएं करे। साथ ही संभागायुक्त इस कार्य की मॉनीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि, पीएम आवास सहित अन्य योजनाओं के लाभान्वित हितग्राही भाग लेगें। उन्होने कहा कि राज्य स्तरीय समारोह की भांति आदिवासी बाहुल्य पंचायतो में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जावे। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायतो के पदाधिकारी आमंत्रित किये जावे। साथ ही जनजातीय आदिवासी भाई-बहनों को राज्य स्तरीय कार्यक्रम को देखने और सुनने की डिटेल व लिंक एडवान्स प्रदान की जावे। इसी प्रकार कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जावे। सोशल मीडिया पर भी आयोजित कार्यक्रम की पोस्ट डाली जावे। जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर 2021 को मनाने के लिए राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम बनाया जावे। जिससे इन कन्ट्रोल रूमों के माध्यम से जानकारियों का आदान-प्रदान किया जावे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की थीम बोकल फॉर लोकल होगी। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलावार प्रतिभागियों को दिये गये टारगेट के अनुसार भोपाल लाने के कार्य की समीक्षा की। साथ ही प्रतिभागियों की संख्या पर चर्चा की। साथ ही प्रतिभागियों को लाने-ले जाने और ठहराने के लिए आवास स्थल पर सहभागियों की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी।

इसी प्रकार समारोह में धर्मगुरूओ से भी इस दौरान चर्चा की जावेगी। साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में स्वसहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित की जावेगी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ऐसे आदिवासी भाई-बहन जिनको शासन की योजनाओं का लाभ दिया गया है उनको भी लाया जावे। उन्होने कहा कि जंबूरी मैदानी में प्रतिभागियो को लाने के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की व्यवस्था की जावे। पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राशन वितरण की भी व्यवस्था होनी चाहिए। जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों में विभिन्न जनजातीय के वर्गो की उपस्थिति सुनिश्चित होनी चाहिए।

ओ.आई.सी. भोपाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड द्वारा एन.ए.एस. परीक्षा 2021 में चयनित विद्यालयो में परीक्षा की तैयारियों का लिया जायजा

भिण्ड। ओ.आई.सी भोपाल सुमनकान्त जैन एवं जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड हरभुवन सिंह तोमर,ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लहार करन सिंह कुशवाह, खण्ड श्रोत समंबयक लहार शैलेन्द्र सिंह कुशवाह, खण्ड श्रोत समंबयक रौन पी.एस. तोमर, एवं सहायक समंबयक आई टी शैल भिण्ड गजराज सिंह भदौरिया सहित पूरी टीम द्वारा एन.ए.एस.परीक्षा 2021 में चयनित विद्यालयों में परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लहार में एन.ए.एस. की परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया एवं छात्राओ से वन टू वन चर्चा की और शिक्षकों और छात्राओ की समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली और संस्था प्राचार्य कोमल सिंह परिहार को विधिवत परीक्षा संचालन के लिये निर्देश दिये। इसी क्रम में शासकीय ठाकुर ज्ञान सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वैसपुरा का भी निरीक्षण किया। जिसमें संस्था प्राचार्य डॉ जे.पी. बघेल को विद्यालय की साफ-सफाई एवं छात्र संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए और इसी क्रम में अनुदान प्राप्त अशोक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लहार का भी निरीक्षण किया। जिसमें संस्था के प्रभारी प्राचार्य बी.बी.सिंह द्वारा की गई अध्यापकीय व्यवस्थाओं से निरीक्षण कर्ता संतुष्ट नजर आए और उनका उत्साहवर्धन करते हुए आगामी 12 नवंबर को आयोजित एन.ए.एस. की परीक्षा मैं बेहतर परिणाम लाने के लिए और अच्छा प्रयास करने के लिये प्रेरित किया ओआईसी भोपाल द्वारा सभी संस्था प्रधानों को निर्देश दिए कि आगामी 12 नवंबर 2021 को आयोजित होने वाली एन.ए.एस. की परीक्षा के लिए तैयारियां पूर्ण कर लें और बेहतर परीक्षा परिणाम देकर जिले का और प्रदेश का नाम रोशन करें निरीक्षण के समय साथ मे जनपद शिक्षा केन्द्र लहार से जानकी नंदन समाधिया, सरजीत सिंह, अरविंद श्रीवास्तव, एवं जन शिक्षक संतोष परिहार, अरविंद सिंह कुशवाह और कौशलेंद्र सिंह जादौन सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

सुब्बाराव जीते-जागते गांधी थे, उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में दीवार पर लिखा क्विट इंडिया

भिण्ड। डा. एसएन सुब्बाराव भाईजी जीते-जागते गांधी थे। उन्होंने कर्नाटक में 13 वर्ष की उम्र में दीवार पर लिख दिया था क्विट इंडिया यानी भारत छोड़ो। इस पंक्ति के लिए अंग्रेजों ने उन्हें जेल में डाल दिया था। सुब्बाराव जीते-जागते गांधी थे। यह बात भिंड शहर के एमपी पैलेस में श्रद्वांजलि सभा में जल-जन जोड़ो अभियान के राष्टीय संयोजक संजय सिंह ने कही। श्रद्वांजलि सभा में बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर नईम खान, डा. राधेश्याम शर्मा, रहीस खान, सर्वोदय समाज परिषद के प्रदेशाध्यक्ष मनीष राजपूत, जगतबहादुर सिंह, डा. तरुण शर्मा मौजूद रहे। संजय सिंह ने स्वर्गीय सुब्बाराव पर बोलते हुए कहा उनका जाना पूरे विश्व में मानवता के लिए उनका रहना जरूरी था। अगर हम सब उनको सच्चे मन से श्रद्वांजलि देने आए हैं तो उनके बारे में अधिक से अधिक लोगों को बताया जाए। उनका जीवन कैसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बने। वर्ष 1954 में पहली बार सुब्बाराव आए थे। कितना लंबा उनका जीवन यहां रहा होगा। सभी की जिम्मेदारी है, जब देश से अंहिसा जैसा शब्द विलुप्त होता जा रहा है। ऐसे दौर में एक ऐसे महान संत का जाना, उनके बारे में दुनियाभर में सुनने को मिल रहा है। संजय सिंह ने कहा मेरा निवेदन है, जहां संभव हो सके, उनके बारे में बात कीजिए। भिंड के लोगों से प्रार्थना है, उनकी मूर्तियां गांव-गांव लगना चाहिए।

प्रदूषण चरम पर

दीपावाली से पहले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के जितने दावे किए गए थे, सब धराशायी हो गए। पटाखों के धुओं से न सिर्फ दिल्ली बल्कि कई शहरों में प्रदूषण का ग्राफ बढ़ गया है। सवाल यह है कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के दावों में हकीकत कहां खो गई है। सर्दी का मौसम शुरू होते ही दिवाली के आसपास दिल्ली और इसके सटे इलाकों की हवा में प्रदूषण बढना़ शुरू हो जाता है। हालांकि इसे रोकने के लिए दिल्ली सरकार काफी हाथ-पांव मारती देखी जाती है, पर उसे सफलता मिलती नजर नहीं आती। अक्सर इस मौसम में प्रदूषण बढने़ की बड़ी वजह किसानों के पराली जलाने, पटाखे फोडने़ और निर्माण कार्यों से उडने़ वाली गर्द को बताया जाता रहा है। मगर इस साल इन सभी पहलुओं पर सरकार पहले से सतर्कता बरत रही थी। निर्माण कार्यों से उडने़ वाली गर्द पर अंकुश लगाने के लिए पूरी दिल्ली में जांच दल गठित कर दिए गए थे। किसानों को पराली न जलानी पड़े, इसके लिए दिल्ली सरकार ने विशेष रूप से तैयार जैव रसायन का मुफ्त वितरण शुरू किया था, जिससे पराली आसानी से खेतों में ही गल-पच जाती है। पटाखों पर अदालत की तरफ से रोक है। यों भी दिवाली से पहले इतने पटाखे नहीं फोड़े जाते कि उनसे निकलने वाला धुआं सारे वातावरण को दमघोटू बना दे। मगर इतने एहतियात के बावजूद स्थिति यह है कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खतरे के बिंदु तक पहुंच गया। मंगलवार को दर्ज आंकड़ों में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर देश के प्रमुख शाहरों में सबसे ऊपर था। तीन सौ नौ अंक। आने वाले दिनों में इस स्तर में और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। जब मौसम सर्द होने लगता है, तो हवा पृथ्वी की सतह के आसपास सिमटने लगती है, फिर उसमें घुले प्रदूषक वातावरण को दमघोटू बना देते हैं। पिछले कुछ सालों में तो ऐसा अनुभव रहा कि बच्चों के स्कूल बंद करने पड़े, लोगों को सुबह टहलने निकलने से परहेज करने की सलाह दी गई। दमकल की गाडियों से पेड़ों पर पानी की बौछार मार कर प्रदूषक तत्त्वों को कम करने का प्रयास किया गया। बहुत सारे लोगों ने अपने घरों में वायु प्रदूषण अवशोषक संयंत्र भी रख लिए। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने एक जगह वायु प्रदूषण सोखने वाला विशाल संयंत्र भी लगाया है, जिसके नतीजे उत्साहजनक हैं। ऐसे संयंत्र अन्य स्थानों पर भी लगाने की उसकी योजना है। मगर अब यह साफ हो गया है कि तमाम उपायों के बावजूद अगर वायु प्रदूषण पर काबू पाना चुनौती बना हुआ है, तो इसकी वजहें दूसरी हैं। वायु प्रदूषण का बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। इसे कम करने के भी कई उपाय सरकार आजमा चुकी है, पर उस पर काबू नहीं पाया जा पा रहा। हालांकि वाहनों पहले से ही ऐसे यंत्र लगाया जाने लगे हैं, जो धुएं को पानी में बदल देते हैं, उसे हवा में घुलने नहीं देते। बसों में सीएनजी इस्तेमाल होने लगी है। अब बैट्री चालित टैक्सियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मगर दुपहिया वाहनों से निकलने वाले धुएं पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण दुपहिया वाहनों की वजह से फैलता है। दिवाली नजदीक होने की वजह से आनलाइन खरीदारी पर जोर रहा। ऐसी वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले ज्यादातर दुपहिया वाहनों का उपयोग करते हैं। दिल्ली की सड़कों पर दुपहिया वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, इसलिए इनसे निकलने वाला धुआं चुनौती बना हुआ है। फिर चोरी-छिपे बहुत सारे धुआं उगलने वाले छोटे और मंझोले उद्योग-धंधे भी दिल्ली के अंदर चल रहे हैं। इस दिशा में जब तक कोई व्यावहारिक उपाय नहीं निकाला जाएगा, तब तक इस समस्या पर काबू पाना कठिन बना रहेगा।

....21 वर्षों में भी बालिग नही हुआ उत्तराखंड !

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड बने 21 वर्ष हो गए लेकिन जिस उत्तराखंड राज्य की परिकल्पना उत्तराखंड राज्य आंदोलन कारियो ने की थी ,वह परिकल्पना आज तक भी साकार नही हो पाई है।विकास और उपलब्धियों की दृष्टि से उत्तराखंड आज तक भी बालिग नही हो पाया है।अलबत्ता उत्तराखंड की प्राकृतिक धरोहर को लूटने और उत्तराखंड की संस्कृति को तहस नहस करने के लिए राजनीतिक पार्टियां राज्य में सक्रिय है। 21 वर्ष पहले न जाने कितने बलिदान और कड़े संघर्ष के बाद नए राज्य बनाने का सपना साकार हुआ था। पहले उत्तरांचल और फिर उत्तराखंड के रूप में प्रतिष्ठित इस राज्य को को जन्म देने की लड़ाई लड़ने वाले आज भी अपने चिन्हीकरण को लेकर सड़को पर है।उन्हें आज भी अपना वजूद बचाने के व उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी का सम्मान पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।आज उत्तराखंड देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसमें एक ही कार्यकाल में तीन तीन मुख्यमंत्री बदले गए हो और जहां के मुख्यमंत्री के विरुद्ध उच्च न्यायालय को कथित भ्र्ष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने के आदेश तक देने पड़े हो। केंद्र व राज्य दोनों ही सरकारों ने उत्तराखंड की जनता को बुरी तरह से निराश किया है।उत्तराखंड के आंदोलनकारियो व उत्तराखंड की जनता के सपनो का राज्य 21 वर्ष बीतने पर भी आज तक इसलिए नही बन पाया है,क्योंकि राज्य में राजनीतिक इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही है।जो काम करना चाहते है,उन्हें दलबदल के जरिए अस्थिर करने की घिनौनी राजनीति का अड्डा उत्तराखंड बनकर रह गया है। पहाड़ में रोजगार न होने के कारण युवाओं का पलायन ,प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की कोई ठोस व्यवस्था का न होना,स्वास्थ्य सेवाओ का बेहद लचर हो जाना,कोरोनाकाल में पीड़ितों तक राहत न पहुंचना सरकार की विफलता का प्रमाण है।उत्तराखण्ड बने 21 साल पूरे हो चुके है और बाईसवां साल शुरू हो चुका है ,लेकिन उत्तराखण्ड के लोगो के सपने का उत्तराखण्ड बनना तो दूर ,राज्य के लोगो की की मूल भूत समस्याएं आज तक हल नही हो पाई है।जल,जंगल,जमीन पर अपना हक पाने के लिए उत्तराखण्ड के लोग पहले भी संघर्ष कर रहे थे,आज भी संघर्ष कर रहे है।लेकिन उनकी सुनवाई न पहले हो पाई और न ही आज तक हो पाई है।राज्य निर्माण में पर्वतीय मूल की महिलाये अग्रणी रही,राज्य की मांग को लेकर उन्होंने लम्बी लड़ाई लडी।अनेक आंदोलनकारियों को इसके लिए संघर्ष करते हुए पुलिस की गोलिया खाकर शहादत देनी पड़ी थीं।कई महिलाओ को अपनी आबरू तक गंवानी पड़ी।तब जाकर लम्बे आंदोलन के बाद 9 नवम्बर सन 2000 को उत्तरांचल यानि उत्तराखंड राज्य का जन्म हुआ था,जो अब बेहद लचर व कमजोर राज्य के रूप मे हमारे सामने है। राज्य बनने के बाद से 21 साल बीतने पर भी जल,जंगल,जमीन पर स्थानीय लोगो का हक न मिल पाना निराशा पैदा करता है।उत्तराखंड राज्य बनने से पहले अविभाजित उत्तर प्रदेश मे यहां के पर्वतीय क्षेत्र के विकास के लिए अलग से एक मंत्रालय हुआ करता था,जिसके माध्यम से आर्थिक विकास पैकेज मिलता था।लेकिन राज्य बनने के बाद हम पहाड़ व मैदान के सरोकार ही भूल गए है।जल,जंगल और जमीन के हक की लड़ाई लड़ रहे जननेता किशोर उपाध्याय जो टिहरी से विधायक रहे और नारायण दत्त तिवारी सरकार के मन्त्रीमण्डल मे मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके है, के द्वारा बार बार जनसरोकारों की मांग उठाने के बावजूद आज तक कुछ नही हो सका है।जिसकारण वे नाराज़ भी है।किशोर उपाध्याय ने इस ज्वलंत मुद्दे पर सर्वदलीय सम्मेलन तक बुला

चुके है।जिसमे पर्वतीय क्षेत्र को वन प्रदेश घोषित कर यहां के निवासियो को वनवासी का दर्जा देने,पर्वतीय क्षेत्र मे उगने वाली जड़ी बूटियों पर स्थानीय लोगो का हक घोषित करने,राज्य के वन व प्राकृतिक संसाधनों पर यहां के लोगो के हक की रक्षा करने व उन्हें पोषित करने ,राज्य के लोगो को वनवासी का दर्जा देकर केंद्र मे उन्हें नोकरियो मे आरक्षण देने,वनाधिकार अधिनियम 2006 तथा जैव विविधता अधिनियम 2002 के प्रावधान राज्य मे लागू करने की मांग वे कर चुके है।जिसके लिए किशोर उपाध्याय नेताप्रतिपक्ष प्रीतम सिंह और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरीश रावत से इन मुद्दों पर समर्थन मांग चुके है।उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल से भी इस मुद्दे पर समर्थन मांगा है।इन मुद्दे को सरकार से जुड़े लोगो के सामने भी ले जाया गया है।चाहे केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट हो या भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ,सभी ने इन मुद्दो को स्वीकारा भी है।लेकिन फिर भी उनकी जायज मांगे यथार्थ के धरातल पर उतर कर फलीभूत नही हो पा रही है। इस मुद्दे पर एक बड़े आंदोलन की दरकार मानी जा रही, ताकि जनआवाज दिल्ली तक पहुंचे ।इस आंदोलन के प्रेणता किशोर उपाध्याय का कहना है कि पर्वतीय क्षेत्र जहां संसाधनों की भारी कमी है ,वहा लोगो के घर बनाने के लिए मुफ़्त खनन,घर की खिड़की दरवाजो और ईंधन के लिए मुफ्त सुखी लकडिया मिलनी चाहिए।साथ ही पढ़ाई व नोकरी के लिए वनवासी का दर्जा देकर समूचे उत्तराखंड को आरक्षण दिया जाना जरूरी है।यह मांगे कब फलीभूत होगी यह तो पता नही ,लेकिन इतना जरूर है कि इन मांगो को चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सबका समर्थन जरूर मिल रहा है।इतना होने पर भी ये मांगे पूरी क्यो नही हो रही है,यह सवाल हर किसी को परेशान कर रहा है। राज्य में भाजपा की सरकार लाकर राज्य को भय मुक्त व भ्र्ष्टाचार मुक्त करने का दावा करने वाली भाजपा ने राज्य में दो कदम आगे बढ़ना तो दूर बीस कदम पिछे कर लिए है।राज्य में कई कई मुख्यमंत्री बदलने के कारण सरकार नाम की कोई चीज दिखाई नही देती।विकास कार्य ठप्प होकर रह गए है,अपराध सिर चढ़कर परेशान कर रहे है । महंगाई की मार से आम जन परेशान है।ऐसे में राज्य स्थापना की खुशी कैसे मनाए यही सवाल हर किसी को सता रहा है। पूर्व मुख्य मंत्री स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी ने राज्य मेंऔद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर जहाँ राज्य को आर्थिक स्वावलम्बन के रास्ते पर ले जाने की कोशिश की थी,वही बीस सूत्री कार्यक्रम में उनके समय मे राज्य को लगातार चार बार देशभर में पहला स्थान मिला था।लेकिन आज विकास की सोच कही खो गई है।राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कुर्सी सम्भाले चन्द माह ही हुए है। जो कुछ कर भी नही पा रहे है सिवाय वायदों के।जिस कारण राज्य स्थापना का उत्साह ठंडा पड़ा हुआ है । सरकार की निष्क्रियता के चलते उत्तराखंड मायूसी व निराशा के भंवर में जूझ रहा है।यह हालत तब तक रहेगी जब तक कि राज्य के लोगो के सपनो का उत्तराखंड नही बन जाता।इसके लिए कुर्सी के बजाए जनसेवा की सोच ही कारगर हो सकती है।जिसके लिए राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ त्यागकर जनसरोकारों पर अपना ध्यान केंद्रित करना होगा।

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, %यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं। सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

धार्मिक आस्था के ये दुश्मन

तनवीर जाफ़री

इस्लाम धर्म में नमाज़ उस इबादत का नाम है जिसे प्रत्येक व्यस्क मुसलमान के लिये अनिवार्य माना गया है।नमाज़ के लिये पांच वक़्त विशेषकर निर्धारित किये गये हैं। पहली नमाज़ सूर्योदय से पूर्व पढ़ी जाती है जिसे फ़जिर की नमाज़ कहते हैं। दूसरी अपराह्न में पढ़ी जाने वाली ज़ोहर की नमाज़ कहलाती है इसके कुछ ही देर बाद सायंकाल से पूर्व अस्र की नमाज़ फिर सूर्यास्त के समय मग़रिब और सूर्यास्त के कुछ देर बाद ईशां की नमाज़ अदा करने का समय होता है। इसमें शुक्रवार को ज़ोहर के वक़्त पढ़ी जाने वाली साप्ताहिक नमाज़ की विशेष अहमियत होने के चलते प्रायः शुक्रवार की ज़ोहर की नमाज़ में तुलनात्मक दृष्टि से ज़्यादा नमाज़ी इकट्ठे होते हैं। आम तौर से जुमे की नमाज़ या ईद व बक़रीद जैसी वार्षिक नमाज़ों के वक़्त नमाज़ अदा करने वालों की तादाद इतनी हो जाती है कि मस्जिद परिसर में वह नहीं समा पाती लिहाज़ा मस्जिदों या ईदगाहों के बाहर इन नमाज़ियों को अपने मुसल्ले बिछाने पड़ते हैं। फिर चाहे वह सड़क हो पार्क हो,कोई गली कूचा या सरकारी अथवा किसी का निजी प्लॉट।

भारत के धर्म प्रधान देश होने के नाते यहां सिर्फ़ मुसलमान ही अपनी धार्मिक आस्था का अनुसरण इस प्रकार यहाँ वहां नमाज़ पढ़कर नहीं करते बल्कि लगभग सभी धर्मों व जातियों के लोग अपनी अपनी धार्मिक आस्थाओं का प्रदर्शन किसी न किसी जुलूस, यात्रा, प्रवचन, नगर कीर्तन, जगराता, कांवड़ यात्रा, रामलीला, दशहरा, जगन्नाथ यात्रा,गणेश चतुर्थी, जुलूस-ए-मुहर्रम ,माघ, कुंभ व अर्ध कुंभ, गरबा, डांडिया, छठ तथा अन्य मेलों के रूप में करते रहते हैं। देश में किसी भी धर्म जाति के लोगों को किसी भी धर्म जाति के लोगों की धार्मिक आस्था संबंधी किसी भी गतिविधि को लेकर आज तक कोई आपत्ति,विरोध या टकराव सुनने को नहीं मिला। बल्कि एक दूसरे के धार्मिक आयोजनों में शरीक होने व उसमें एक दूसरे के सहयोगी व भागीदार बनने की ख़बरें ज़रूर आती रही हैं। परन्तु विगत कुछ वर्षों से कुछ दक्षिणपंथी हिंदुत्ववादी विचारधारा

के चंद मुट्ठी भर लोग अलग अलग संगठनों के बैनर तले सत्ता की शह पर कभी खुले आसमान के नीचे या पार्क अथवा प्लाट में नमाज़ पढ़ने वालों का विरोध करते दिखाई दे जाते हैं तो कभी किसी की लाश क़ब्र में दफ़्न किये जाने का विरोध करने के लिये सड़कों पर उतर आते हैं।

नमाज़ पढ़ने का विरोध करने वाली ताज़ातरीन ख़बरें चूँकि देश के एक शांतिप्रिय राज्य हरियाणा के महानगर गुरु ग्राम से जुड़ी हैं इसलिये इसी राज्य की कुछ सद्भावपूर्ण मिसालें पेश करना भी ज़रूरी हैं । यमुनानगर से ख़िज़राबाद होते हुए हिमाचल प्रदेश की ओर जाते हुए रास्ते में हरियाणा -हिमाचल सीमा पर स्थित है कलेश्वर महादेव मठ। यह संत महानंदपुरी नाम के एक शिक्षित महंत रहा करते थे। उनके सहपाठी रहे हाफ़िज़ मोहम्मद साहब अपनी आयु के अंतिम समय तक इसी मठ में उनके साथ रहा करते थे। भगवे वस्त्र में हाफ़िज़ साहब इसी मंदिर में आरती भी करते,प्रशाद भी बांटते और श्रद्धालुओं के मस्तक पर टीका भी लगाते। मंदिर परिसर में हाफ़िज़ साहब का एक निजी कमरा भी था जिसमें बैठकर वे इसी भगवे लिबास में नमाज़ भी पढ़ते,रोज़ा भी रखते और क़ुरान शरीफ़ भी पढ़ते। एक बार मुझे हाफ़िज़ साहब ने बताया कि कुछ कट्टरपंथियों ने महानंदपुरी जी से इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी कि एक मुसलमान व्यक्ति मंदिर परिसर में आरती पूजा,प्रशाद वितरण नमाज़ क़ुरान आदि क्यों करता है। परन्तु दबंग स्वभाव के महानंदपुरी जी ने साफ़ कह दिया कि जिसे मंदिर में आना हो आये और जिसे इस सर्वधर्म संभाव व्ययवस्था से आपत्ति हो वह चाहे तो इस मंदिर में न आये परन्तु यहाँ की व्यवस्था ऐसे ही रहेगी। और इन दोनों ही महापुरुषों के जीवन के अंत तक यह व्यवस्था वैसे ही चली। जब मैं हाफ़िज़ साहब से उनकी नमाज़ -क़ुरान-और मंदिर व आरती में सामंजस्य बिठाने को लेकर रूढ़िवादी मुसलमानों के विचार जानने की कोशिश की तो उन्होंने एक शेर पढ़कर इसका जवाब कुछ यूँ दिया - ज़ाहिद-ए-तंग-नज़र ने मुझे काफ़िर जाना। और काफ़िर ये समझता है मुसलमान हूँ मैं।।

सूर्योपासना का पर्व-छठपूजा

सूडोकु नवताल- 5886

✶✫✫✫✫ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5885 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शरद नारायण खरे

छठ पर्व मूलतः सूर्य की आराधना का पर्व है, जिसे हिन्दू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। हिन्दू धर्म के देवताओं में सूर्य ऐसे देवता हैं जिन्हें मूर्त रूप में देखा जा सकता है।सूर्य की शक्तियों का मुख्य श्रोत उनकी पत्नी ऊषा और प्रत्यूषा हैं। छठ में सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (ऊषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों का नमन किया जाता है।

भारत में सूर्योपासना ऋगवेद काल से होती आ रही है। सूर्य और इसकी उपासना की चर्चा विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रह्मा वैवर्त पुराण आदि में विस्तार से की गयी है। मध्य काल तक छठ सूर्योपासना के व्यवस्थित पर्व के रूप में प्रतिष्ठित हो गया, जो अभी तक चला आ रहा है।सृष्टि और पालन शक्ति के कारण सूर्य की उपासना सभ्यता के विकास के साथ विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग रूप में प्रारम्भ हो गयी, लेकिन देवता के रूप में सूर्य की वन्दना का उल्लेख पहली बार ऋगवेद में मिलता है। इसके बाद अन्य सभी वेदों के साथ ही उपनिषद् आदि वैदिक ग्रन्थों में इसकी चर्चा प्रमुखता से हुई है। उत्तर वैदिक काल के अन्तिम कालखण्ड में सूर्य के मानवीय रूप की कल्पना होने लगी। इसने कालान्तर में सूर्य की मूर्ति पूजा का रूप ले लिया। पौराणिक काल आते-आते सूर्य पूजा का प्रचलन और अधिक हो गया। अनेक स्थानों पर सूर्यदेव के मंदिर भी बनाये गये। पौराणिक काल में सूर्य को आरोग्य

देवता भी माना जाने लगा था। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पायी गयी। ऋषि-मुनियों ने अपने अनुसन्धान के क्रम में किसी खास दिन इसका प्रभाव विशेष पाया। सम्भवतः यही छठ पर्व के उद्भव की बेला रही हो। भगवान कृष्ण के पौत्र शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया था। इस रोग से मुक्ति के लिए विशेष सूर्योपासना की गयी, जिसके लिए शाक्य द्वीप से ब्राह्मणों को बुलाया गया था।छठ पूजा की परम्परा और उसके महत्त्व का प्रतिपादन करने वाली अनेक पौराणिक और लोक कथाएँ प्रचलित हैं।

एक मान्यता के अनुसार लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की। सप्तमी को सूर्योदय के समय पुनः अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था।एक अन्य मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यदेव की पूजा शुरू की। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। वह प्रतिदिन घण्टों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही पद्धति प्रचलित है।

कुछ कथाओं में पांडवों की पत्नी द्रौपदी द्वारा भी सूर्य की पूजा करने का उल्लेख है। वे अपने परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लम्बी उम्र के लिए नियमित सूर्य पूजा करती थीं।एक कथा के अनुसार राजा प्रियवद को कोई संतान नहीं थी, तब महर्षि कश्यप ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराकर उनकी पत्नी मालिनी को यज्ञाहुति के लिए बनायी गयी खीर दी। इसके प्रभाव से उन्हें पुत्र हुआ परन्तु वह मृत पैदा हुआ। प्रियवद पुत्र को लेकर श्मशान गये और पुत्र वियोग में प्राण त्यागने लगे। उसी वक्त ब्रह्माजी की मानस कन्या देवसेना प्रकट हुई और कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूँ। हे! राजन् आप मेरी पूजा करें तथा लोगों को भी पूजा के प्रति प्रेरित करें। राजा ने पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह पूजा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को हुई थी।

छठ पूजा का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष इसकी सादगी पवित्रता और लोकपक्ष है। भक्ति और आध्यात्म से परिपूर्ण इस पर्व में बाँस निर्मित सूप, टोकरी, मिट्टी के बर्त्तनों, गन्ने का रस, गुड़, चावल और गेहूँ से निर्मित प्रसाद और सुमधुर लोकगीतों से युक्त होकर लोक जीवन की भरपूर मिठास का प्रसार करता है।

लोकआस्था का महापर्व छठ

ठेकुआ ,दउरी, गंगा का घाट,छठी मईया की भक्ति में सराबोर गीत और लोगों का जमघट और भी बहुत कुछ है जो छठ महापर्व का परिचायक है जो इस महापर्व को ग्लोबल फेस्टिवल बना दिया है। आगाध आस्था , भक्ति और तपस्या का दूसरा नाम है छठ महाव्रत ।

दीपावली के छःदिन बाद मनाया जाने वाला छठ पूजा उत्तर प्रदेश और बिहार के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। ये दोनों राज्य भारत के उत्तर-पूर्व भाग में स्थित है। यूपी-बिहार के अलावा छठ पूजा नेपाल के तराई क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाया जाता है। इसके साथ ही झारखंड में भी इस पर्व को मनाने वालों की संख्या कम नहीं है। यही नहीं, विदेशों में भी बसे उत्तर-बिहार के लोग इस त्योहार को धूम-धाम से मनाते हैं।

छठी मईया के आने की तैयारी में व्रती अपने घर आंगन की साफ सफाई का बहुत ख्याल रखते है। परमपूज्य आचार्य सतीश अवस्थी द्वारा जानेंगे कि क्यों मनाया जाता है महापर्व छठ? छठ पूजा का व्रत खासकर महिलाएं अपनी संतान की रक्षा और पूरे परिवार की सुख शांति का वर मांगने के लिए करती है।निसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती है छठी मईया।छठ के दौरान महिलाएं लगभग 36 घण्टे का व्रत रखती हैं।9 नम्बर खरना के साथ छठ की शुरुआत हो जाएगी।10नवम्बर को संध्या अर्घ्य एवं 11 नवम्बर को सुबह भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व की समाप्ति होगी। छठ पूजन की तैयारी के लिए पूजा समाग्री की सूची महापर्व छठ के पूजा पाठ के लिए जरूरी सामान इस प्रकार है। पांच गन्ने जिसमें पत्ते लगे हो, पानी वाला नारियल, अक्षत ,पीला सिंदूर, दीपक, घी, बाती, पान का पत्ता, साबुत सुपाड़ी, शहद को जरूर एकत्रित कर लें।इसके साथ हल्दी, मूलीऔरअदरक का हरा पौधा ,बड़ा वाला मीठा निम्बू, शरीफा,केला और नाशपाती भी पूजा में प्रयोग होता है। आदरणीय आचार्य सतीश अवस्थी जी द्वारा जानेंगे किसकी होती है आराधना? इस त्यौहार में भगवान सूर्य और छठ माता की आराधना की जाती है। हिन्दुओं के अलावा इस्लाम एवं अन्य धर्म के कुछ लोग भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा से मानते हैं। इस पर्व से जुड़ी कई पौराणिक और लोक कथाएं भी प्रचलित हैं।

छठ महापर्व के नियमः छठ पर्व हर साल कार्तिक माह के 6वें शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है। छठ पूजा नहाय-खाय से शुरू होता है जो 4 दिनों तक चलता है। छठ करने वाले व्रती 4दिनों का उपवास रखते हैं। यह पुरुष या महिला किसी के भी द्वारा किया जा सकता है। जो कोई अपनी इच्छा पूरी करना चाहते हैं वे छठ माता से प्रार्थना करते हैं।

जोटई गांव में पुलिस ने पकड़ा अवैध हथियार बनाने का कारखाना

22 कट्टे व पिस्टल सहित राउंड एवं उपकरण बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। पोरसा थाना पुलिस ने गत रात्रि ग्राम जोटई मैं मुखबिर की सूचना पर से अवैध हथियार बनाने की एक फैक्ट्री पर छापा मारा और भारी मात्रा में हथियार एवं राउंड तथा हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ललित शाक्यवार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया के निर्देशन में अवैध कारोबारियों के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत सूचना मिली कि पोरसा थाना क्षेत्र के ग्राम जोटई मैं अवैध हथियार बनाने का कारखाना संचालित हो रहा है और बड़े पैमाने पर हथियार बनाए जा रहे हैं। उक्त सूचना पर से एसडीओपी अंबाह के नेतृत्व में पोरसा थाना प्रभारी आरपीएस जादौन ने पुलिस बल के साथ रविवार की देर शाम घेराबंदी कर छापा मारा और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कारखाने से 315 बोर के 17 कट्टे, 12 बोर के 3 कट्टे एवं 32 बोर की दो पिस्टल तथा बड़ी मात्रा में राउंड, ड्रिल मशीन, इलेक्ट्रॉनिक वेल्डिंग मशीन, ग्राइडर मशीन, लोहे के पाइप, हथोड़ा, पलाश, हैंड ग्रिल सहित हथियार बनाने के तमाम उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के दो साथी पुलिस को देख कर फरार हो गए हैं, जिनमें से एक आरोपी पूर्व में भी अवैध हथियारों के निर्माण एवं कार्य करने का संचालन कर चुका है तथा अन्य आरोपी भी आदतन अपराधी हैं। इनके विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक शिवम सिंह चौहान, दुर्गेश सिंह, राजेश सिंह कुशवाह, रतन सिंह, मुकेश राजावत, नीरज तोमर, राजेंद्र बाबू शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह, धीरज सिंह, रविंद्र, संदीप, नरेंद्र, सत्येंद्र, मनोज आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खेलो इंडिया स्मॉल एथलेटिक्स सेन्टर के लिये खिलाड़ियों का चयन 11 को

मुरैना। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा भारत सरकार की योजनान्तर्गत जिले में खेलों इंडिया स्मॉल सेन्टर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम पर संचालित होगा। इस वर्ष 2021-22 के लिये 20 बालक एवं 20 बालिका खिलाड़ियों का चयन टेलेंट आइडेन्टीफिकेशन के माध्यम से प्रातः 9 बजे जिला स्तरीय गठित चयन समिति के द्वारा 11 नवम्बर को किया जायेगा। संभागीय खेल अधिकारी ने बताया कि फिजिकल टेस्ट में सम्मिलित होने वाले बालक, बालिका खिलाड़ियों को अपने साथ आयु प्रमाणपत्र, (कक्षा 10वीं की अंक सूची, जन्म प्रमाणपत्र), आधार कार्ड, मूल निवासी, 3 पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाणपत्र के साथ मूल दस्तावेज साथ में लाना होगा। चयन से पूर्व समिति द्वारा बालक एवं बालिका खिलाड़ियों के फिजिकल आदि विभिन्न टेस्ट लिये जायेंगे। टेस्टों में सम्मिलित होने वाले खिलाड़ियों की आयु 14 से 18 वर्ष के कम हो, उन्हें सम्मिलित किया जायेगा। इच्छुक खिलाड़ी टेलेंट आइडेन्टीफिकेशन में चयन के लिये दस्तावेजों सहित एथलेटिक्स प्रशिक्षिका कु. ज्योति जे. चौहान मुरैना से 10 नवम्बर तक अपना पंजीयन संपर्क कराना सुनिश्चित करें। 10 नवम्बर तक जिन खिलाड़ियों के दस्तावेज पंजीयन के रूप में कु. ज्योति जे चौहान के द्वारा किये गये है, उन्हीं पंजीकृत खिलाड़ियों को टेलेन्ट आइडेन्टीफिकेशन आयोजन में 11 नवम्बर को सम्मिलित किया जायेगा।

ई-ऑफिस एप्लिकेशन की सुरक्षा

मुरैना। ई-ऑफिस एप्लिकेशन की सुरक्षा को दृष्टिगत शासन स्तर से जारी किये जाने वाले निर्देशों का प्रारूप (ड्राट) के लिये बिन्दु निर्धारित किये गये है। जारी बिन्दु अनुसार इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर डिजिटल सिग्नेचर टोकन (डीएसई) या ई-साइन का उपयोग किया जाये, गोपनीय एवं अति गोपनीय दस्तावेजों को केवल भौतिक रूप से ही प्रस्तुत किया जाना चाहिये, (सिंगल साइन ऑन) आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग किया जाये, केवल सुरक्षित नेटवर्क जैसे एनआईसी नेट, स्वान, एनकेएन के माध्यम से ही ई-ऑफिस वेब एप्लिकेशन का उपयोग किया जाना चाहिये। प्राईवेट नेटवर्क पर ई-आफिस वेब एप्लिकेशन तक पहुंचने हेतु व्हीपीएन, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का उपयोग किया जाये।

ईको पर्यटन विकास बोर्ड में आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर

मुरैना। ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा आयोजित की जा रही फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और ट्रैकिंग रूट आईडेंटिफिकेशन प्रतियोगिता में आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर तक बढ़ाई गई है। पूर्व में प्रतियोगिता में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2021 थी। इसके साथ ही फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिता की शर्तों में संशोधन करते हुए प्रतिभागियों को न्यूनतम 3 ईको पर्यटन स्थलों के फोटोग्रास या वीडियो की जगह अब न्यूनतम एक ईको पर्यटन स्थल के फोटोग्राफ या वीडियो भेजे जाने आवश्यक होंगे।

प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के साथ-साथ जीवन पद्धति है: डॉ रमाकांत शर्मा

ब्राइट कैरियर में प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता शिविर संपन्न

अम्बाह। ब्राइट कैरियर एकेडमी में आचार्य आनंद क्लब के द्वारा संजीवनी संस्था के सहयोग से आयोजित किए गए एक दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा उपचार जागरूकता शिविर में 1 सैकड़ा से अधिक लोगों ने भागीदारी की। शिविर में प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञ डॉ रमाकांत शर्मा एमडी नवदीप प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र बस्सी जयपुर राजस्थान मुख्य रूप से उपस्थित थे। अध्यक्षता समाजसेवी नाथूराम शर्मा ने की। शिविर संयोजन डॉ सुधीर आचार्य और सतीश शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। उपस्थित जन समुदाय को प्राकृतिक चिकित्सा से परिचित कराते हुए डॉ रमाकांत शर्मा ने कहा कि सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों के लिए वरदान है, दूसरे सबसे कम खर्चीली है, तीसरे प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी अनूठी प्रणाली है जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नैतिक और आध्यात्मिक सभी पक्षों की चिकित्सा एक साथ की जाती है। प्राकृतिक चिकित्सा में औषधियों का प्रयोग नहीं होता वर्ल्ड की प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार आहार ही औषधि होती है। इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा सिर्फ उपचार नहीं यह एक जीवन पद्धति है। जिसका आयुर्वेद से निकटतम संबंध है। यूं तो प्रकृति स्वयं सबसे बड़ी चिकित्सा है, उसमें शरीर में व्याप्त रोगों से बचाने और अस्वस्थ हो जाने पर पुनः स्वच्छता प्राप्त करने की क्षमता विद्यमान है। गंभीर से गंभीर जीर्ण रोग से ग्रस्त रोगियों अथवा दबे रोग और असाध्य रोगों का इलाज भी इसमें संभव है। डॉ रमाकांत शर्मा ने कहा कि यह कथन सत्य है कि प्रकृति के संग चलें-जीवन के रंग खिलें। उन्होंने कहा कि भोजन करते समय यह ध्यान रखें कि अच्छा खाना, अच्छे समय खानाऔर अच्छी तरह खाना हो रहा है तो आधी से अधिक बीमारी से मुक्ति हो सकते हैं। इस अवसर पर समाजसेवी संस्थाओं की ओर से प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टर शर्मा का नागरिक अभिनंदन भी किया गया। दो सत्रों में हुए शिविर को सफल बनाने में सतीश शर्मा, दुष्यंत सिंह तोमर, अरविंद मावई, जयवीर सिंह तोमर, विश्वनाथ सिंह गुर्जर, बिंदुसार सिंह तोमर, बालकृष्ण शर्मा, नरेश परमार, महेंद्र सखवार, गोपाल दीक्षित, श्रीमती सुशीला तोमर, डॉ प्रगति शर्मा का विशेष सहयोग रहा। संचालन डॉ सुधीर आचार्य और आभार अरविंद मावई ने किया।

आज मनेगी अमर शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर की पुण्यतिथि

अम्बाह। देश की खातिर अपनी जान कुर्बान करने वाले अंचल के अमर सपूत जौहा गांव के निवासी शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर की पुण्यतिथि आज 9 नवंबर को उनके नाम पर बने अमर शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर शहीद पार्क में मनाई जाएगी। इस अवसर पर सुबह ध्वजारोहण के उपरांत वैदिक रीति रिवाज के साथ हवन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, साथ ही कोविड-19 के नियमों को ध्यान में रखते हुए देशभक्ति के कार्यक्रम भी यहां पर आयोजित किए जाएंगे।

ज्ञात रहे कि 9 नवंबर 1993 को पाकिस्तान की सेना से लोहा लेते हुए कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर शहीद हुए थे, तब से लेकर अब तक प्रतिवर्ष उनके शहादत दिवस पर उनका भावपूर्ण स्मरण अंचल के लोगो व्दारा किया जाता है। साथ ही यहाँ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर अमर शहीद के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाती है। आज यह आयोजन भूतपूर्व सैनिक संघ अंबाह एवं अमर शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर सेवा संस्थान के तत्वाधान में किया जाएगा।

एम-राशन मित्र एप बहुत उपयोगी

मुरैना। खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों का सत्यापन किया जा रहा है। तैनात कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर एम-राशन मित्र एप के माध्यम से सत्यापन किया जा रहा है। प्रत्येक उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस एप को स्टाल कर सकते हैं। इसके माध्यम से उपभोक्ता अपनी पात्रता की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। एप में परिवार की समग्र आईडी से लागिन करने पर खाद्यान्न की पात्रता, पात्रता पर्ची के अनुसार परिवार के सदस्यों की जानकारी तथा परिवार प्रोफाइल की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके माध्यम से आसपास की उचित मूल्य दुकान पीओएस मशीन की स्थिति, दुकान को खाद्यान्न आवंटन एवं वितरण की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। शासन द्वारा खाद्यान्न वितरण के संबंध में दी जाने वाली सूचनाओं और सुविधाओं के लिए भी एम-राशन मित्र एप बहुत उपयोगी है।

सांसारिक वस्तुओं में स्थाई सुख नहीं आध्यात्मिकता ही मोक्ष में सहायक: यज्ञेश मिश्र

अम्बाह। विश्व शांति की कामना के साथ बुधवार को राम तलैया धाम भरतपुरा पर 37 वे अखिल भारतीय रामायण मेला का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर देशभर से पधारे विद्वानों ने ब्रह्मलीन संत रामकृष्ण दास जी महाराज का पुण्य स्मरण किया, जिसके बाद भागवताचार्य पंडित यज्ञेश मिश्र ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुये कहा कि संसार से सुख लेने की इच्छा ही दुःख का मूल है। देखा जाए तो इस संसार में कोई भी सुखी नहीं है। जिस सुख का हमें आभास हो रहा है वह वास्तविक नहीं है। अज्ञानी लोग इसे ही सुख मानकर इस में डूबे हुए हैं। जन्म के साथ मरण, यौवन के साथ बुढ़ापा और विकास के साथ ह्रास जुड़ा हुआ है। इस जीवन में कब क्या घटित होगा इसका किसी को पता नही है। इसलिए आधुनिकता के इस दौर में दुनिया को स्थायी समाधान केवल अध्यात्म ही दे सकता है। पण्डित मिश्र ने कहा कि आध्यात्म विश्व का सर्वोपरि विज्ञान है संसार के सभी जीव खुशी चाहते हैं। कोई भी दुःख नहीं चाहता। अध्यात्म हमें दुःख से मुक्ति और सुख की प्राप्ति का मार्ग सुझाता है इसके लिए इंसान को वह सभी आसक्तियां छोड़नी चाहिए जो जीवन को संकीर्णता की ओर ले जाती हैं। यही त्याग वृत्ति अंतःकरण को पवित्र कर भीतर के तेज को देदीप्यमान करती है। वृंदावन धाम से पधारे संत राघव दास जी महाराज ने कहा कि हमारे यहां त्याग की परंपरा पुरातनकाल से चली आ रही है। आसक्ति से विरक्त हो जाने वालों की यहां पूजा की जाती है। श्रीराम द्वारा अयोध्या के राज्य को एक क्षण में त्याग देने जैसे स्थापित किए गए आदर्श को संसार पूजता है। राज्य का त्याग कर और वन जाना स्वीकार कर उन्होंने समाज में उच्चतम मानदंड स्थापित किया। साथ ही लोगों को धर्म, अध्यात्म, ज्ञान व भक्ति के मार्ग की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। श्रीमती योगेश्वरी देवी ने कहा कि इंसान अपने जीवन में सारा श्रम भौतिक वस्तुओं की प्राप्ति में ही लगा देता है। वह अपने सीमित जीवन में सभी कुछ पा लेना चाहता है। वह जितना भौतिक लाभ प्राप्त करता जाता है, उसकी सांसारिक तृष्णा उतनी ही बढ़ती जाती है। यह तृष्णा उसे शांति से बैठने नहीं देती संसार में जिसका जन्म हुआ उसका अंत निश्चित है। यहां मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और योगेश्वर श्रीकृष्ण आए और वह भी चले गए, तो हम आम मनुष्य की क्या बिसात है? यह जीवन इंसान के पूर्व जन्मों का फल है।

महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा व सम्मान विषय पर दी ग्रामीणों को कानूनी जानकारी

ग्वालियर। आजादी के अमृत महोत्सव पर एडीपीओ डॉ. रश्मि वैभव शर्मा ने अखिल भारतीय जागरूकता एवं पहुंच कार्यक्रम के तहत विगत दिवस गांव में ऑनलाईन विधिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर के तत्वाधान में पेरालीगल वालिंटियर अंशुमन शर्मा, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, महिला बाल विकास विभाग, आंगनवाडी व आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से घाटीगांव वृत के अंतर्गत सहसारी, बडागांव, दोरार, उमेदागढ, सुराहला, चाराई दंग, जखोड,. बगवालागांव व मुरार वृत के अंतर्गत बहादुरपुर, बहांगीखुर्द, भटपुरासानी, भवनपुरा, बिजौली, बिलारा, बिल्हेटी, चककेशवपुर, चकमहरोली, चपरोली पंचायत व इससे जुडे गांवो में आयोजित किया गया। उक्त शिविर में ग्रामीणों के लिये स्वास्थय योजनाएं, अस्पताल में सुविधाएं, प्रसव योजनाएं आदि से संबंधित जानकारी जिला स्वास्थ्य प्रबंधक विजय भार्गव द्वारा दी गई व महिलाओं के अधिकार व महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान से जुडे विषय पर कानूनी जानकारी चयन एवं भर्ती शाखा पीएचक्यू भोपाल एडीपीओ डॉ. रश्मि वैभव शर्मा के द्वारा दी गई। उक्त कार्यक्रम का लाईव प्रसारण यूट्यूब पर 08 नवंबर को समय 01:30 से 02:30 बजे तक किया गया। उक्त शिविर में सचिव, जीआरएस, सरपंच, पंच, आंगनवाडी कार्यकर्ता सहायक, आशा कार्यकर्ता सहायक, स्वच्छाग्राही एवं अन्य ग्रामीण लाइव उपस्थित रहे।

पंचकल्याणक महोत्सव बालक आदि कुमार के माता-पिता को निमंत्रण देने पहुंचा जैन

अम्बाह। नगर में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में बालक आदिकुमार के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सुमति चंद्र जैन -श्रीमती कपूरी देवी को आंमत्रित करने नगरवासी एवं पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के सदस्य गाजे-बाजे के साथ नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए आदिकुमार के माता-पिता के व्दार पर पहुंचे, जहां पर सभी का भव्यता पूर्वक स्वागत -सत्कार विमल जैन राजू और उनके परिजनों द्वारा किया गया। इस अवसर पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य संयोजक जिनेश जैन ने कहा कि तीर्थंकर के माता-पिता बनने का सौभाग्य हर किसी को प्राप्त नहीं होता, कुछ भव्य आत्माओं को ही यह सौभाग्य प्राप्त हुआ करता है। सुमति चंद्र सबसे वयोवृद्ध और अनुभवी इंसान हैं। इस रूप में उनका मार्गदर्शन समिति को प्राप्त होगा, तभी यह आयोजन अपने अभीष्ट को प्राप्त कर सकेगा। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन एडवोकेट ने कहा कि 60 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद हमारी पीढ़ी को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सभी समाज बंधु पूरे उत्साह और उल्लास के साथ कार्य करते हुए अम्बाह नगर की आन-बान-शान के अनुरूप आयोजन को भव्यता प्रदान करें। साथ ही उन्होंने आदिकुमार के माता-पिता को आमंत्रण पत्रिका भेंट की।

17 मिनिट में गुरुवाणी से सम्पन्न हुआ दहेज मुक्त विवाह 7 शिक्षित व सभ्य मानव समाज को अनुपम सन्देश

एक विवाह (रमैनी) ऐसा भी

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड कोरोना काल के इस दौर में एक तरफ कई ऐसे विवाह देखने को मिल रहे हैं जिनमें लाखों रुपये साज-सज्जा दिखावे पर खर्च किये जा रहे हैं, लेकिन हम बात कर रहे हैं एक ऐसे अनोखे दहेज मुक्त विवाह जो कि बिना साज-सजा पूर्णतः आडम्बर रहित रहा और इसमें एक खास बात यह रही कि इसमें न कोई घोड़ा और न कोई बैंड बाजा देखने को मिला। विवाह पूर्णतः सादगीपूर्ण था दूल्हा - दुल्हन साधारण भेष-भूषा में दिखे । मात्र 17 मिनिट में गुरुवाणी से यह अनोखा विवाह (रमैनी) सम्पन्न हुआ। जिला भिण्ड मेहँगाव के रहने वाले रामपाल जी महाराज जी के अनुयायी रामकिशोर जी ने अपनी पुत्री रिया का पूर्णताः दहेज मुक्त विवाह (रमैनी) ग्वालियर के निवासी संत रामपालजी के अनुयायी विजय दास जी के पुत्र नवीन के साथ संत रामपाल जी महाराज जी के सानिध्य में सम्पन्न किया।

बिन फेरे हम तेरे

यह कहावत तो आपने सुनी ही होगी पर आज सार्थक भी हो गयी सन्त जी के अनुयायियों की उपस्थिति में व सभी देवी देवताओं और पूर्ण परमेश्वर कविर्देव जी की स्तुति कर ये विवाह (रमैनी) बगर कोई फेरे के संपन्न हुई। वर-वधु ने गुरुवचनों को साथी मानकर आजीवन एक-दूसरे का सुख-दुःख में साथ देने का वचन लिया।

सभी देवी-देवताओं की व सर्वशक्तिमान परमेश्वर कविर्देव जी की स्तुति के साथ सम्पन्न हुआ विवाह (रमैनी)

रमैनी– यह 17 मिनट की असुर निकंदन रमैनी होती है जिसमें फेरों के स्थान पर उसको बोला जाता है। विश्व के सर्व देवी देवतथा पूर्ण परमात्मा कविर्देवजी का आह्वान तथा स्तुति प्रार्थना की जाती है जिससे सर्वशक्तिमान परमेश्वर कविर्देव जो उस विवाह (रमैनीवालेजोड़े पति-पत्नी) की सदा रक्षा करते हैं। इससे बेटी तथा बेटे के जीवन में आने वाले दुखों का

निवारण सुगमता से हो जाएगा तथा उन्हें कष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। इस माध्यम से वर तथा वधू समाज में किसी भी प्रकार की बुराई नहीं करेंगे और समाज मे सुधार आएगा।

बेटियां अब नहीं लगेंगी बोझ

संत रामपाल जी महाराज अपने अनुयाइयों का विवाह (रमैणी) बहुत ही सादगी पूर्वक बिल्कुल साधारण तरीके से न कोई बैंड की न कोई बाजा, न कोई बारात, न कोई दिखावा, न ही कोई हल्दी व मेंहदी की रस्म, न की कोई फालतू फिजूलखर्ची (हजारों रुपए तो लोक दिखावा के खर्च करते हैं) न ही कोई दहेज के कराते हैं।

सन्त रामपाल जी के सानिध्य में: बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का सपना होगा साकार। सुखी होगा हर इंसान, धरती बनेगी स्वर्ग समान। सन्त रामपाल जी का एक ही सपना* दहेज मुक्त हो समाज अपना सन्त रामपाल जी महाराज की अनूठी और अद्वितीय आध्यात्मिक विचारधारा संत रामपाल जी महाराज जी के शिष्य हजारों की संख्या में इस विवाह (रमैणी) को करके अपना सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इसके अलावा संत रामपाल जी महाराज ने अंतरजातीय विवाह को भी महत्व दिया है। वर्तमान में सरकार द्वारा भी अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा दिया जा रहा है। जैसे की हम लोग जानते है कि हमारे देश में जाति को लेकर भेदभाव भी बहुत होता है। इस भेदभाव को संत रामपाल जी महाराज जड़ से खत्म करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वह अपने सत्संग में बताते है की जीव हमारी जाति है, मानव धर्म हमारा। हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई धर्म नहीं कोई न्यारा।। इस आधार पर जात पात की इस खाई को जड़ से खत्म करके इस प्रकार एक स्वच्छ, पवित्र, सुंदर समाज के निर्माण में प्रयत्नशील संत रामपाल जी महाराज का धन्यवाद करें कि वो इस जनहित के कार्य को करने के लिए आगे आए हैं।

विवाह सिर्फ संयोग है बांकी फिजूलखची करना सिर्फ दिखावा है। संत रामपाल जी महाराज अपने अनमोल सत्संगों में बताते हैं। आप से आवे रत्न बराबर मांगा आवै लोहा।। संत रामपाल जी महाराज जी के आध्यात्मिक ज्ञान से हमें पता चला है की दुल्हन ही सबसे बड़ा दहेज है। क्योंकि उस पिता ने अपने कलेजे की पुत्री को दे दिया और हमें क्या चाहिए। मनुष्य जन्म का मूल उद्देश्य जानने के लिए देखें व पढ़ें अधिक जानकारी के लिये देखें सतलोक आश्रम यूट्यूब चैनल और इस अनमोल मनुष्य जीवन का मूल्य समझें सतभक्ति अपनाएं और अपना कल्याण करवाएं तथा संत रामपाल जी महाराज जी द्वारा लिखी हुई अनमोल पुस्तक जीने की राह का अध्ययन करें।

वन-टू-वन

आईपंथ के धर्मगुरू दीवान पुत्र को पुष्पाजंलि अर्पित करने के लिए बेंगलुरू से पहुंचे कई जनप्रतिनिधि

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सैणचा

जोधपुर ः–बिलाड़ा आईपंथ के धर्म गुरू दीवान माधवसिंह के ज्येष्ठ पुत्र कुंवर डॉ लक्ष्मणसिंह के निधन पर सोमवार को बेंगलूर से कर्नाटक महासभा अध्यक्ष विरमराम सोलंकी, बेंगलूर बलेपेट वडेर अध्यक्ष सोभाराम सोयल , उपाध्यक्ष भंवरलाल सोयल, एस. आर .एस लेवट वडेर अध्यक्ष फाउलाल परिहारिया, सचिव लक्ष्मणराम ,केआर पूरम वडेर अध्यक्ष दुर्गाराम पंवार बिलाड़ा पहुंचे। एवं दिवंगत के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की । व धर्म गुरू दीवान को सांत्वना हिम्मत देकर ढाढस बंधाया ।यहां बढेर में दिवंगत पाटवी दीवान डॉ लक्ष्मणसिंह के निधन पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीवान माधवसिंह के समक्ष शोक व्यक्त एवं गणमान्य लोगों सहित दूर दूर से बड़ी संख्या में पहुंचकर लोगों ने शोक सभा में भाग लिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनाया विश्व रेडियो ग्राफी दिवस

पुष्पांजली टुडे

गोहद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रेडियोलॉजी विभाग में सोमवार को स्टाफ सदस्यों की ओर से विश्व रेडियोग्राफी दिवस मनाया गया। इस मौके पर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर आलोक शर्मा ने कहा कि कोरोना काल और इससे पहले भी बीमारियों की पहचान व रोगियों के उपचार में रेडियोग्राफी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। अंतरराष्ट्रीय रेडियोग्राफी दिवस के मौके पर अस्पताल में हुए कार्यक्रम में एक्स-रे के जनक डॉ. डब्लयू सी. रोन्टजन को पुष्पाजंलि अर्पित कर याद किया। रेडियोग्राफर रवि कुमार जोशी ने एक्स-रे की उपचार में उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। कई ऐसे रोग हैं, जिनका सामान्य तौर पर पता नहीं लगाया जा सकता, मगर रेडियोग्राफी की सहायता से उनका आसानी से पता लगाया जा सकता है। रेडियोग्राफर प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ के संभागीय अध्यक्ष रवि कुमार जोशी ने चिकित्सा सेवाओं में रेडियोग्राफी के महत्व की जानकारी दी। इस मौके पर बीपीएम वीरेंद्र अटल ,बीसीएम राघवेंद्र सिंह राजावत, ब्लॉक अकाउंटेंट संजय शाक्य ,लैब टेक्नीशियन मुनेंद्र बघेल, रविंद्र, डाटा एंट्री ऑपरेटर गौरव बाथम , कंपाउंडर मुरारी लाल गौड़ ,आयुष्मान मित्र प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ,राधेश्याम आदि उपस्थित आदि उपस्थित थे।

24 घंटे में वाहन चोरो ने उडाये सात वाहन

भोपाल। राजधानी में बीते 24 घंटो के भीतर बदमाशो ने सात वाहन चोरी की वारादतों को अंजाम दे दिया। सभी मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। टीटी नगर पुलिस के अनुसार ऑटो स्टैंड टीटी नगर से सुमीत चौकसे की स्कू टी चोरी चली गई। इसी प्रकार रातीबढ़ के ग्राम बिसनखेड़ी से चोर कुल्दीप मीणा, बजरिया स्थित स्टेशन के पास बनी कलारी से बदमाश स्माईल की बाइक, कोतवाली पठार वाली गली से समीर खां की बाइक तलैया स्थित कमला पार्क के पास से बदमाश कैलाश डाबी की मोपेड, शाहजहांनाबाद स्थित कब्रिस्तान के पास से चोर शेख शाहिद की बाइक व कोहेफिजा स्थित रमानंद नगर से अज्ञात आरोपी अमोल लोचन की बाइक चोरी कर चंपत हो गये।

ग्राम की चराहगाह भुमी लीज पर ना दिए जाने ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा आपत्ति पत्र

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । बालाघाट न्यायालय कार्यालय कलेक्टर जिला बालाघाट के पत्र क्रमांक /5362/बालाघाट दिनांक 24/09/2021 एवं अनुविभागी अधिकारी (राजस्व) लांजी जिला - बालापाट के ज्ञापन कमांक 2281/ अ.वि.अ./प्रवा. / 2021 लांजी दिनांक 30.09.2021 के माध्यम आवेदक स्ढ्ढरु ृतक्रह्लतक्रू क्रढ्ढड्ढञ्ज्ञश्व स्ढ्ढरू ढ्ढञ्ज्ञश्वष्ठ क्चत्र।ञ्ज्ञ के द्वारा ग्राम घोटी घुसमारा तहसील लांजी जिला बालाघाट की शासकीय भूमि जिसका खसरा नंबर 601 रकबा 13.269 हेक्टेयर (चराहगाह) को लिज पर दिये जाने के संबंध में ग्रामीणों को पत्र प्राप्त हुआ है। ज्ञात हो कि खसरा नंबर 601 ग्राम की चरागाह भूमि है जहां पर गांव के लोग अपने जानवरों के भोजन और चारे की पुर्ती करते हैं। उस भूमि पर 1000 से भी अधिक पेड़ पौधे हैं। गांव की बढ़ती आबादी को देखते हुए आवास की आवश्यकता होगी। चुंकी ग्राम की बसाहट में कोई रिक्त भुमी नहीं है, अतएव आवास के लिए ग्रामीण उक्त भूमि में प्रवास करेंगे। गांव में खेल का मैदान भी उसी भुमी पर

है, इसलिए खेल गतिविधियों वही आयोजित होती है। भूमि को लीज पर दिए जाने से ग्राम की व्यवस्था पुरी तरह से चरमरा जाएगी। हम ग्रामीणों को आने वाले 50 वर्ष तक भारी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने लांजी एसडीएम और तहसीलदार को आपत्ति पत्र देकर निवेदन किया है कि अनावेदक स्ढ्ढरु ृतक्रह्लतक्रू क्रढ्ढड्ढञ्ज्ञश्व स्ढ्ढस्ढ्ढञ्ज्ञश्वष्ठ, क्चत्र।ञ्ज्ञ को ग्राम घोटी घुसमारा की चराहगाह भुमी खसरा नंबर 601 को लीज पर ना दिया जाएं। सभी ग्रामीण उक्त लीज को रद्द कर कंपनी को? अन्यत्र भुमी दिलाने हेतु निवेदन किया है।

सैकड़ों ग्रामीणों ने किया आपत्ति पत्र पर हस्ताक्षर

घोटी घुसमारा की चराहगाह भुमी खसरा नंबर 601 को लीज पर ना दिया जाएं, इसके लिए ग्राम के सैकड़ों ग्रामीणों ने आपत्ति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रमुखता से होलीराम धारणे, भुपेश कटरे, दुर्योधन बिसेन, सिताराम धारणे, विजय कटरे, संतोष बिसेन, साजन धारणे, नारायण जांभूरे, बाबूलाल चौहान, अशोक जांभूरे, यशवंत राव चौहान एवं सैकड़ों ग्रामीणों ने आपत्ति जताई हुए उक्त कंपनी को कहीं और भुमी देने कहा गया है।

राज्य स्तर पर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने पर छात्र छात्राओं को डॉ महेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरुः–. कैवारा योगी यतिन्द्र बलिजा (बणजीगा) संघ मैसूरु की ओर से वार्षिक सम्मेलन रखा गया द्य सर्व प्रथम ईंट्टिगेगुड स्थित दुर्गा परमेश्वरी मंदिर परिसर में विधिवत यज्ञ कर सत्यनारायण पूजा अर्चना की गई द्य पश्चात एमबीए और एमए करने पर मेधावी छात्र व दो छात्राओं को जिला स्तर पर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने पर राज्य सरकार की ओर से स्वर्ण पदक दिया गया द्य इस उपलक्ष में पर्यावरण जागृति वैदिके बनूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने तीनो को सम्मानित कर आर्थिक सहायता प्रदान की गई द्य इस कार्यक्रम में एच.ए. वेंकटेश, सामाजिक कार्यकर्ता गुब्बीगुडु रमेश, उप निदेशक पुरुषोत्तम, कैवारा योगी नारायणी यतिन्द्र संघ के गौरव अध्यक्ष इफ.उमेश,अध्यक्ष मोहन कुमार, उपाध्यक्ष जी.रामू, सह सचिव गोवर्धन, आयोजन सचिव लिंगाराजू,कोषाध्यक्ष श्रीनिवास, सह-संस्थापक नागराजू, बलिजा के. हेजंत सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे द्य

विप्र संवाद राष्ट्रीय संयोजक मनोज पाराशर पहुंचे श्योपुर दीपावली पर समाज बंधुओ से की रामा श्यामा

विनोद पाठक ब्यूरो

पुष्पांजली टुडे

श्योपुर रविवार को राजस्थान से विप्र संवाद के राष्ट्रीय संयोजक एवं अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा युवा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज पाराशर देर शाम श्योपुर पहुंचे ।श्योपुर आगमन पर राष्ट्रीय संयोजक का प्रदेश संयोजक अनुराग तिवारी, रोहित शर्मा , सचिन शर्मा एवं सामाजिक लोगो ने स्वागत किया । पाराशर ने श्योपुर पहुंचने पर ब्राह्मण समाज के लोगो से दीपावली की रामा श्यामा कर शुभकामना प्रेषित की । पाराशर ने कहा कि दीपावली का त्योहार आपस में प्रेम एवं सौहार्द का प्रतीक हैं हमे चाहिए कि हम समाज में अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्तियों चेहरे पर मुस्कान लाने का काम करें । पाराशर ने श्योपुर कोतवाल सतीश दुबे से मिलकर उनका सम्मान किया इस अवसर पर उन्होंने पुलिस निरीक्षक अंशुल अरोड़ा से भी भेंट की । प्रदेश संयोजक अनुराग शर्मा के साथ उन्होंने वरिष्ठ समाज सेवी पत्रकार विनोद शर्मा से भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दी।

बालाजी मंदिर कटंगी मे हरदेव लोधी समाज की भव्य बैठक संपन्न

विजय कुचलाहे , चित्रलेखा अस्तने अध्यक्ष और रवि गरूडे, सावित्री बडघैया सचिव मनोनीत

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । समाज के लोगों को संगठित कर समाज को मजबूती प्रदान करने के लक्ष्य को लेकर तथा समाज मे पनप रही बुराईयों को खत्म करने के उद्देश्य को लेकर हरदेव लोधी समाज गांव -गांव ग्राम समिति का गठन कर चुका है। तहसील स्तरीय संगठन के गठन और समाज के लोगों को समाज के संचालन तथा नियंत्रण के लिए पदाधिकारियों को मनोनीत करने के लिए दिनांक 07 नवंबर 2021 दिन रविवार को बालाघाट जिले की लांजी तहसील अंतर्गत बालाजी मंदिर कटंगी (लांजी) मे बैठक आहुत की गई। सर्वप्रथम उपस्थित हरदेव लोधी समाज के लोगों के द्वारा सरस्वती पूजा अर्चना एव रानी अवंती बाई के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर अवंती बाई के जयकारों की गूंज के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में समाज के लोगों के द्वारा समाज हित में अपने अपने विचार व्यक्त किए गए। तदोपरांत ब्लॉक स्तरीय पुरूष व महिला समिति का पृथक-पृथक गठन किया गया। कार्यक्रम मे हरदेव लोधी समाज के सैकड़ों स्वजातीय बंधुओं, माताओं ,वरिष्ठजनों, युवाओं की उपस्थिति रही।

इन्हें मिली हरदेव लोधी समाज संगठन की जिम्मेदारी: हरदेव लोधी समाज संगठन लांजी के द्वारा आयोजित बैठक में सर्व समाज की सहमति से पुरुष वर्ग में ग्राम बिसोनी निवासी विजय कुमार कुचलाहे को अध्यक्ष और रवि गरूडे को सचिव , उपाध्यक्ष मोतीचंद कलपुरे, सह सचिव दिनेश कचवाहे, कोषाध्यक्ष कुशलेश कलपुरिया, प्रवक्ता आशाराम कुशले एवं चमरूलाल बेलघैया को मनोनीत किया गया। वही महिला वर्ग से ग्राम भिमोडी निवासी श्रीमती चित्ररेखा अस्तने को अध्यक्ष, सावित्री बड़घैया को सचिव, उपाध्यक्ष सत्यभामा कुशले, सह-सचिव जमुना कचलाहे, कोषाध्यक्ष शारदा बड़घैया को मनोनीत किया गया। साथ ही युवा शक्ति को और शक्तिशाली तथा संगठित करने के उद्देश्य के साथ युवा जाग्रत मंच का भी गठन किया गया जिसमें बलवंत कर्राहे को अध्यक्ष, कमलेश कलपुरिया को सचिव, उपाध्यक्ष वैभवसिंह बड़घैया, सह-सचिव जीतेन्द्र बरगैया, कोषाध्यक्ष विनय कुशले, प्रवक्ता तेजेन्द्र कर्राहे,राहुल ब्रम्हपुरे,अमित बड़घैया,गजानन कलपुरे को मनोनीत किया गया। सभी पदाधिकारियों को मनोनीत कर समाज को एकजुट एकत्रित संगठित और शक्तिशाली बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।? वही समाज हित में उपयोग और कारगर फैसले लेने की स्वतंत्रता दी गई।

समाज के प्रति अपने दायित्व को पूरी तरह से निभाउंगा - विजय कुमार कुचलाहे अध्यक्ष: आज समाज के सभी सम्मानित जनों के द्वारा एक बड़ी और कड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। हमारा ये परम कर्तव्य है कि समाज के प्रति अपने दायित्व को पूरी तरह से निभाएं। हमें जो कुछ समाज से मिला है वह समाज को लौटाएं।

अटेर को नगर पंचायत बनाए जाने पर अंचल का हो सकेगा सर्वांगीण विकास: बौहरे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

अटेर। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में जारी जनसंवाद यात्रा रविवार को पहुंची रेपुरा गांव सुप्रसिद्ध भदावर कालीन ऐतिहासिक नगरी अटेर ग्राम पंचायत को आसपास के गांवों से जोड़कर नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है इसके लिए समय-समय पर धरना प्रदर्शन आंदोलन भी किए गए हैं परंतु सरकार द्वारा इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया जबकि भिंड जिले के रौन एवं मालनपुर क्षेत्र को नगर पंचायत का दर्जा दिया जा चुका है। अटेर को नगर पंचायत बनाए जाने पर ही इस अंचल का सर्वांगीण विकास हो सकेगा शीघ्र ही इसके लिए क्षेत्र के लोगों को एकजुट कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा यह बात अटेर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी बीके बौहरे ने अटेर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में गांव-गांव निकाली जा रही जन संवाद यात्रा के रविवार को रैपुरा गांव पहुंचने पर उपस्थित ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान बौहरे ने उपस्थित ग्रामीण जनों से उनकी समस्याओं को जाना।उपस्थित ग्रामीण जनों ने मांग की कि रैपुरा गांव में बरसों पूर्व संजय निकुंज के नाम से विकसित किए गए उद्यान

का जीर्णोद्धार किया जावे, रैपुरा मोड़ के निवासियों एवं दुकानदारों को बिजली की सुविधा ना होने के कारण वहां पर विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाए, गांव के भूमिहीन किसानों को बीहड़ की जमीन का पट्टा दिया जावे, गांव के अंदर पशुओं के गर्भाधान के लिए ट्रेविस (कटघरा) स्थापित किया जावे, गांव के प्राचीन तालाब का जीर्णोद्धार किया जावे। संवाद यात्रा के दौरान शिव कुमार दीक्षित संजय पुरोहित मुन्नालाल शर्मा आनंद शर्मा रामकिशोर शर्मा प्रहलाद शर्मा मुरारी लाल शर्मा रामसिया शर्मा रामखिलाड़ी शर्मा रामनरेश दोनेरिया राजेंद्र शर्मा नरेंद्र दोनेरिया रामकिशन शर्मा रामचंद्र शर्मा संतोष शर्मा अम्बर डंडोतिया बैजनाथ सिसोदिया हरिशंकर थापक गिरजा शंकर थापक संजू पुरवंशी गोलू थापक संतोष शर्मा सुरेश सिंह मामा कल्याण प्रजापति आलोक शर्मा अमन शर्मा सुभाष शर्मा विशाल शर्मा शोभाराम शर्मा कुलदीप शर्मा अंकित शर्मा राजेंद्र जाटव सहित तमाम ग्रामीणजन मौजूद रहे।

वारासिवनी महाविद्यालय के ओबीसी वर्ग के छात्र छात्रवृत्ति नहीं मिलने से नाराज़

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । जिले के शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्याल वारासिवनी में ओबीसी वर्ग के छात्र छात्राएं पिछले 1 वर्ष से छात्रवृति से वंचित है। बालाघाट जिले के अन्य महाविद्याल में ओबीसी वर्ग की छात्रवृति आ चुकी है परन्तु अभी तक शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्याल वारासिवनी के ओबीसी वर्ग के छात्रों की स्कॉलरशिप नही आई है। एक सत्र समाप्त हो गया है, दूसरा सत्र चालू हो गया है। किंतु ओबीसी वर्ग के छात्रों की स्कॉलरशिप नही आई है। ओबीसी महासभा बालाघाट करेगा आंदोलन - केशरी नगपुरे ब्लॉक अध्यक्ष ओबीसी महासभा वारासिवनी ओबीसी महासभा वारासिवनी के ब्लॉक अध्यक्ष केशरी नगपुरे ने कहा कि पहले भी कही दफा ओबीसी वर्ग की छात्रवृति के लिए जिला कलेक्टर महोदय को ओबीसी महासभा और ओबीसी छात्र मोर्चा के द्वारा ज्ञापन सौंपा जा चुका है।

वन-टू-वन

जल्द ही बढ़ सकते हैं घरेलू गैस टंकी के भाव

भोपाल। आम लोगों को भले ही पेट्रोल और डीजल के दाम में राहत मिल गई हो, लेकिन अब उन्हें घरेलू गैस के बढ़े हुए दामों के रूप में झटका लग सकता है। 1 नवम्बर को गैस कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडरों के भाव बढ़ा दिए थे और घरेलू सिलेंडरों के भाव यथावत रखे थे, लेकिन अब उन्हें बढ़ाने की तैयारी है। सूत्रों की मानें तो 15 नवंबर तक सिलेंडर के भाव बढ़ सकते हैं और यह साढ़े नौ सौ रुपए के पार जा सकता है। हर माह की पहली तारीख को गैस कंपनियां टंकियों का भाव निर्धारित करती है और उसी भाव के आधार पर पूरे माह टंकी मिलती हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से गैस कंपनियों ने अपना घाटा देखते हुए माह के बीच ही दाम बढ़ाना शुरू कर दिए। इस बार 1 नवम्बर को घरेलू गैस के दाम तो यथावत रखे गए हैं, लेकिन कमर्शियल गैस के भाव में ऐतिहासिक बढ़ोतरी कंपनियों ने कर दी और 19 किलो का गैस सिलेंडर जो सामान्य तौर पर छोटी होटलों या अन्य व्यावसायिक कार्यों में आता है, उसमें 268 रुपए बढ़ा दिए। यही नहीं हर प्रकार के कमर्शियायल सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी की गई है। गैस एजेंसियों के संचालकों का कहना है कि आज तक इतनी बड़ी राशि की वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि घरेलू गैस के दामों राहत तो दी गई है, लेकिन ये राहत कब तक रह पाएगी, इस बारे में कहना मुश्किल है। घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर कंपनियां पहले ही घाटे में हैं और कहा जा रहा है कि 15 तारीख कंपनियां इसके रेट बढ़ा सकती है। संभवत: 20 से 25 रुपए एक सिलेंडर पर बढ़ाए जा सकते हैं और कंपनियों की चली तो सिलेंडर के दामों में 50 रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी भी की जा सकती है और एक सिलेंडर के दाम 1 हजार रुपए तक पहुंच सकते हैं।

निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए 10 को खुलेगी लॉटरी

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गैरअनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में रिक्त सीटों पर ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश के लिए दूसरे चरण की लॉटरी 10 नवंबर को खुलेगी। आरटीई के तहत पहले चरण में लॉटरी द्वारा सीटें भरने के बाद शेष रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउंसलिंग के माध्यम से स्कूल आवंटित किया जाना है। रेंडम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी द्वारा 10 नवंबर को स्कूल का आवंटन किया जाएगा। पंजीकृत आवेदक को 29 अक्टूबर से 7 नवंबर तक च्वाइस अपडेट करने का समय दिया गया था। अब बुधवार को लॉटरी खुलेगी। लॉटरी खुलने पर स्कूल आवंटन के बाद 10 से 15 नवंबर तक आवंटन पत्र डाउनलोड कर आवंटित स्कूल में प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश लेते समय ही संबंधित अशासकीय स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्टिंग दर्ज की जाएगी। निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए लॉटरी खुलने के बाद भी पालकों ने मनमाफिक स्कूल नहीं मिलने से अपने बच्चों को भेजने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। आवेदकों द्वारा लॉटरी खुलने के बाद स्कूल नहीं भेजा गया, जिससे राज्य शिक्षा विभाग को फिर से लॉटरी खोलने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बार सत्र 2020-21 और इसके पूर्व 2021-22 की भी लाटरी खोली गई थी, जिसमें पालकों ने रुचि नहीं दिखाई।

चीनी अधिकारियों ने जबरन ध्वस्त कराया मॉनेस्ट्री से जुड़ा तिब्बती स्कूल

बीजिंग। चीन में तिब्बतियों के दमन का सिलसिला अब भी जारी है। पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत स्थित कारजे प्रिफेक्चर में तिब्बती स्कूल अधिकारियों को द्रागो मोनास्ट्री से जुड़े स्कूल को पिछले माह गिराने पर मजबूर कर दिया गया। चीनी अधिकारियों द्वारा मंदिर पर भूमि उपयोग कानून का उल्लंघन करने के आरोप लगाए जाने के बाद यह यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले चीनी अधिकारियों ने क्विंघाई प्रांत स्थित बौद्ध मठों में छापा मारकर वहां रह रहे युवा भिक्षुओं को पूजा-साधना छोड़कर वापस घर जाने के लिए कहा है। अधिकारी चीन में लागू धार्मिक मामलों के नियम का हवाला देते हुए एक अक्टूबर से यह कार्य कर रहे हैं। द्रागो मोनास्ट्री द्वारा संचालित स्कूल गाडेन राबटेन नामग्यालिंग की चीनी अधिकारियों ने अक्टूबर के अंत में निंदा की थी। इसके बाद मोनास्ट्री के अधिकारियों ने स्कूल को तीन दिन के भीतर ध्वस्त करने का निर्देश दिया और यह भी चातावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो चीन सरकार की टीम स्कूल को ध्वस्त कर देगी। स्कूल के अधिकारी व वालंटियर स्कूल को गिराने के लिए एकत्रित हुए। भूमि कानून के तहत केवल स्थानीय बिल्डिंग ही आते हैं। मोनास्ट्री संचालित इस स्कूल को 2014 और 2018 में बनाया गया। चीनी सरकार ने चार सालों में 18 साल से कम उम्र वाले 20 सन्यासियों को देश से निकाल दिया। सन 1950 में चीनी सैनिकों ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। इसके बाद यहां हिंसक झड़पें हुईं। 14वें दलाई लामा ने भारत जाकर शरण ली।

एस्ट्रोनॉट वांग यापिंग ने रचा इतिहास, अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली बनीं पहली महिला

बीजिंग। अंतरिक्ष यात्री वांग यपिंग ने अंतरिक्ष में चलने वाली पहली चीनी महिला की उपलब्धि हासिल कर इतिहास रच दिया है। अपने पुरुष सहकर्मी जाई जिगांग के साथ वह निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलकर छह घंटे से ज्यादा समय तक उन्होंने अन्य गतिविधियों में हिस्सा लिया। खबर के अनुसार दोनों अंतरिक्ष स्टेशन के कोर मॉड्यूल 'तियान' से बाहर निकले और सोमवार तड़के साढ़े छह घंटे तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की और फिर सफलतापूर्वक स्टेशन लौट आए।चीन के अंतरिक्ष इतिहास में ऐसा पहली बार था जब एक महिला अंतरिक्षयात्री ने अंतरिक्ष में चहलकदमी की। चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के लिए शेनजो-13 यान से अंतरिक्ष में रवाना किया था। देश द्वारा आर्बिटिंग स्ट्रक्चर (अंतरिक्ष स्टेशन) का काम पूरा करने के लक्ष्य से इन्हें भेजा गया है और ऐसी उम्मीदें हैं कि स्टेशन निर्माण का काम अगले साल तक पूरा हो जाएगा। शांदोंग प्रांत की मूल निवासी और पांच साल की एक बच्ची की मां वेंग पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) एयर फोर्स से अगस्त,1997 में जुड़ी थीं।

आयोग ने 12 को बुलाई बड़ी बैठक, तैयारियों की जिले वार समीक्षा जारी

अगले हफ्ते हो सकता है पंचायत चुनाव का ऐलान

भोपाल। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग 12 नवंबर को बड़ी बैठक करने जा रहा है। संभवत: आयोग इसके बाद पंचायत चुनाव का ऐलान कर सकता है। हालांकि चुनाव को लेकर आयोग की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग में रोजाना बैठकों का दौर चल रहा है। इसमें मतदान के लिए सेक्टर और जोनल अधिकारियों की नियुक्ति के साथ विशेष कार्यपालिक दंडाधिकारी की शक्तियां देने के प्रस्ताव, मतदान केंद्रों के स्थान परिवर्तन पर रणनीति बन रही है। पंचायत चुनाव तीन चरणों में कराए जाने की तैयारी है। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के चुनाव इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन और सरपंच व पंच के चुनाव मत पत्रों के माध्यम से होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों के चुनाव कराने की प्रारंभिक सभी तैयारियां कर चुका है। मार्च 2022 तक रिक्त पंचायतों के स्थानों की जानकारियां कलेक्टरों से मंगवा ली गई हैं।

जिला पंचायत के आरक्षण का फैसला जल्द: जिला पंचायत के अध्यक्ष पद के आरक्षण को छोड़कर लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अधिकारियों के मुताबिक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान से जुड़ी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। मतदान केंद्रों के स्थान परिवर्तन के औचित्य सहित प्रस्ताव बुलाए गए थे, जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर की जाने वाली तैयारियों के लिए भी विभागों को आठ नवंबर तक का समय दिया गया है।

लंबे समय से जमे अफसरों को हटाने के निर्देश: आयोग जिलों में 3 साल से जमे अफसरों को दूसरे जिलों में पदस्थ करने के निर्देश दे चुका है। गृह और राजस्व विभाग से ऐसे अधिकारियों का स्थानांतरण करने के लिए कहा गया है जो चार साल की अवधि में तीन वर्ष से एक स्थान पर पदस्थ हैं। इस श्रेणी में उन अधिकारियों को रखा है जो सीधे निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधीक्षकों से अपने यहां उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक और उप पुलिस निरीक्षक के तीन साल से एक स्थान पर पदस्थ नहीं होने संबंधी प्रमाण पत्र भी मांगा है।

निकाय चुनाव कोर्ट में विचाराधीन: निकाय चुनाव का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। यही वजह है कि आयोग पहले पंचायत चुनाव कराने की तैयारी में जुट गया है। हालांकि निकाय चुनाव की तैयारी भी साथ-साथ चल रही है। आयोग की पूरी कोशिश है कि पंचायत चुनाव दिसंबर में करा लिए जाएं। यदि फिर चुनाव टलते हैं तो फिर अगले साल फरवरी तक खिंच जाएंगे। क्योंकि जनवरी में फिर से मतदाता सूची का अपेडेशन होगा।

12 होगा जिला पंचायत अध्यक्षों का आरक्षण: प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग पूरी तैयारी कर चुका है। इसी क्रम में आयोग 12 नवंबर को जिला पंचायत अध्यक्षों के आरक्षण की प्रक्रिया कराएगा। इस दिन एक साथ सभी जिलों में अध्यक्षों का आरक्षण होगा।

पंचायत चुनाव की तैयारी, 10 दिन में तारीख की घोषणा

भोपाल। निर्वाचन आयोग जल्द ही पंचायत चुनाव करा सकता है। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि दिसम्बर में ये चुनाव हो सकते हैं, जिसके लिए आगामी 10 दिनों में तारीखों की घोषणा की जा सकती है। इसको देखकर भाजपा और कांग्रेस ने भी अपने-अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि ये चुनाव गैर दलीय आधार पर होते हैं, फिर भी राजनीतिक दलों में होड़ रहती है कि किसका पंचायत पर कब्जा हो। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिस तरह से पंचायत चुनाव की तैयारी की जा रही है, उसको देखकर लग रहा है कि इसी साल में प्रदेश में नई पंचायतों का राज आ जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर गांव-गांव में दावेदार सक्रिय हो गए हैं। वहीं जनपद अध्यक्षों के लिए भी अभी से ही कांग्रेस और भाजपा के दावेदारों ने लॉबिंग शुरू कर दी है। पूरे प्रदेश में 52 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष भी बनाए जाना हैं और जनपदों के अध्यक्षों का चुनाव भी होना है। प्रदेश में सवा तीन सौ के करीब जनपद और करीब 24 हजार पंचायतें हैं तो जिले में तीन सौ पंचायतें और 4 जनपद हैं। भोपाल से जो संकेत मिल रहे हैं, उससे लग रहा है कि इस माह के मध्य में चुनावों की तारीखों की घोषणा की जा सकती है और आचार संहिता लग सकती है। इसके आधार पर दिसम्बर के मध्य या आखिरी सप्ताह में चुनाव कराए जा सकते

बस ऑपरेटरों ने सरकार से की मांग, डीजल पर अभी 17 रुपए हुए हैं कम

भोपाल। डीजल पर कुल 17 रुपए घटाने के बावजूद यात्री बस ऑपरेटर किराया कम करने को राजी नहीं है और आम लोगों को अभी भी बढ़े हुए किराए में सफर करना पड़ रहा है। ऑपरेटरों की मांग है कि 12 रुपए और कम किए जाए, उसके साथ ही किराया बोर्ड द्वारा जो किराया बढ़ाने की सिफारिश की गई थी, उसे लागू किया जाए। बस ऑपरेटरों ने सरकार के सामने स्पष्ट कर दिया है कि 30 रुपए डीजल के दाम बढ़ाने के बाद भले ही 17 रुपए कम कर दिए हैं, लेकिन उससे उन्हें किसी प्रकार की राहत नहीं मिली है। वहीं 12 रुपए और घटाएं जाना चाहिए। प्राइम रूट बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के महासचिव सुशील अरोड़ा ने बताया कि जब डीजल के दाम नहीं बढ़े थे तभी बसों का संचालन मुश्किल हा रहा था।

बाईक सवार बदमाशो ने पिस्टल की नोक पर महिला बैंककर्मी से की लूट

जेवरात उतरवाने के साथ ही बैग भी लेकर हुए फरार

भोपाल। राजधानी में बेखौफ लुटेरों ने बीती रात पार्टी से घर लौट रही अकेली महिला बैंककर्मी को सरेराह रोकते हुए पिस्टल अड़ाकर उससे जेवरात उतारवाए ओर फिर जेवरात के साथ ही उसका पर्स भी छीन कर बाइक से फरार हो गए। सुत्रो के अनुसार पीड़िता ने आरोपियों की बाइक का नंबर पुलिस को दिया था। जिसके आधार पर पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। जबकि दूसरे की तलाश जारी है। वारदात को अंजाम देने वाले दोनों बदमाश कमला नगर थाना इलाके के पुराने बदमाश बताए गये हैं। फरियादिया की शिकायत पर पुलिस ने लूट का मामला दर्ज किया है। थाना पुलिस के अनुसार डीके कार्टेज के पास, गुजराती कॉलोनी में रहने वाली सुरेखा मजूमदार पति शशांक मजूमदार (53) ने अपनी शिकायत मे बताया कि वे बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क हैं, ओर उनकी पोस्टिंग अरेरा हिल्स स्थित ऑफिस में है। वो बीती रात होशंगाबाद रोड पर स्थित अमेर ग्रीन होटल में पार्टी होने के कारण वो आर्टिफिश्यिल जेवरात पहनकर वहॉ गई थी। पार्टी खत्म होने क बाद वह उनकी सहेली व सहेली के पति के साथ कार से घर लौट रही थी। सहेली के पति ने उन्हें घर से थोड़ी दूर ड्राप कर दिया था। जहां से वह पैदल घर जा रही थी। सुरेखा ने पुलिस को आगे बताया कि घर की तरफ जाते समय दो बाइक सवार बदमाशो ने उनके आगे बाइक अड़ाते हुए उन्हे रोक दिया। इससे पहले कि वो कुछ समझ पाती बाइक चला रहे आरोपी ने कट्टा निकाला और उनपर तानते हुए धमकी देकर जेवरात उतारने के लिए कहा। इसी दौरान दूसरे बदमाश ने महिला के बैग को झपटटा मारकर छीन लिया।

शिवसेना की महिला नेत्री चला रही थी सैक्स रैकेट

भोपाल। राजधानी के नजदीक सीहोर मे बस स्टैंड के पास पुलिस ने बीती देर रात शिवसेना की महिला नेता के मकान पर रेड मारकर सेक्स रैकेट का भांडाफोड किया है। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने 4 युवतियो, 3 ग्राहको, ड्राइवर, महिला मैनेजर और सैक्स रैकैट संचालिका को गिरफ्तार किया है, कार्यवाही के दौरान पकडाई गई युवतिया भोपाल की हैं। रेड के दौरान पुलिस को मकान के तीन कमरों में टीवी, नशे और अय्याशी के सारे इंतजाम मिले। पकड़ी गई महिल सरगना अनुपमा तिवारी सोशल मीडिया प्रोफाइल में खुद को समाजसेवी और शिव सेना की महिला प्रदेश प्रमुख लिखे हुए है, ओर वो 2015 में शिवसेना के टिकट पर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ चुकी है। उसे सीहोर में तत्कालीन अपर कलेक्टर द्वारा नेहरू युवा केंद्र के कार्यक्रम में योगाचार्य के रूप में सम्मानित करने के साथ ही कई अन्य मंचों से सम्मानित भी किया जा चुका है। पुलिस की शुरुआती जॉच मे

हेलमेट लगाना और सीट बेल्ट बांधना जरूरी, वरना कटेगा चालान

ट्रैफिक पुलिस बढ़ाएगी सख्ती, नाबालिग बाइक चलते पकड़े गए तो स्वजनों को मिलेगी हिदायत।

दीपावली के पहले ही तैयार कर ली थी योजना, अब होगी कार्रवाई

भोपाल। अब शहर के बाहर भी अपने वाहन से जा रहे हैं, तो हेलमेट व सीट बेल्ट चैक कर लें। ऐसा न करने पर आपके खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जा सकती है। यदि आप बिना हेलमेट पाए जाते हैं, तो जुर्माना लगेगा, जबकि सीट बेल्ट न पहने मिलने पर तीन गुना तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। इस तरह की कार्रवाई यातायात विभाग द्वारा शहर के बाहरी क्षेत्रों और नाकों से गुजरने वाले वाहनों पर शुरू होने जा रही है। फिलहाल दीपावली के त्योहार के पहले ही कार्रवाई की तैयारी कर ली थी। यातायात विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पुलिस पूरी तरह तैयार है। अब तक ट्रैफिक पुलिस शहर के भीतरी हिस्सों में ही हेलमेट, सीट बेल्ट, बिना लाइसेंस व यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करती थी, लेकिन शहर के बाहरी क्षेत्रों, हाईवे, बायपास और विभाग के नाकों से गुजरने वाले वाहन चैकिंग से बच जाते थे। अब यहां भी सख्ती से करवाई होगी।

हेलमेट की चेकिंग भी: यातायात विभाग के मुताबिक यदि चार पहिया वाहन चालक चैकिंग के दौरान बिना सीट बेल्ट लगाए पाया जाता है, तो उस पर करवाई कर चालान काटा जाएगा। सख्ती करना जरूरी है, जिससे कि हादसों को रोका जा सके।

बढ़ रहे हादसों के कारण उठाया कदम: यातायात विभाग ने लगातार बढ़ रहे हदसों के कारण सख्ती बढ़ाई है। हालांकि शहर में ऐसे क्षेत्र जहां दुर्घटनाएं अधिक होती हैं, वहां भी सख्ती बढ़ाई जाएगी। साथ ही तेज गति से वाहन चलाने वाले और खासकार बाइक चलाने वाले नाबालिगों को समझाइश देने के साथ ही, उनके परिजनों को हिदायत दी जाएगी।

नशे में धुत्त ड्राइवर ने ली युवक की जान

रोटोबेटर में फंसे मृतक युवक के टुकड़े रमपुरा से देवरी तक टपके

दबोह(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे)

सोमवार की दोपहर एस.डी.ओ.पी लहार अवनीश बंसल को किसी व्यक्ति का फोन कर बताया कि देवरी के पास किसी अज्ञात व्यक्ति के लाश के टुकड़े डले है।सूचना की तस्तीक करते हुए तुरन्त एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल,थाना प्रभारी दबोह प्रमोद साहू,थाना प्रभारी रावतपुरा क्रांति राजपूत मौके पर पहुँचे तो पता लगा कि मृतक युवक पन्नालाल यादव उम्र 65 बर्ष जो लहार थाना क्षेत्र के चंदावली नम्बर 2 का निबासी है और रमपुरा में अपनी बहन की खेती करबाने के लिए गया हुआ था जहां ट्रेक्टर जलालपुरा थाना असवार का बताया जा रहा था मृतक युवक के परिजन सिचाई बिभाग सदस्य गुट्टी यादव ने बताया कि मेरा भाई पन्नालाल यादव अपनी बहन की खेती जलालपुरा के युवक के ट्रेक्टर से रोटोबेटर से करबा रहा था जिसमे मृतक युवक का पंचा उसमें फंस गया पर डॉयवर नशे में धुत्त था तो उसने मृतक युवक की चीख पुकार नही सुनी जब पास खड़े मृतक के परिजन ने आबाज दी तब जाकर कहीं ड्राइवर ने पलट कर देखा तब तक मृतक के शरीर के परखच्चे उड़ चुके थे जिससे हड़बड़ा कर ड्राइवर ने ट्रेक्टर रमपुरा से भगाया जिसमे से शरीर के टुकड़े टपकते रहे जो देवरी में युवकों ने पकड़ लिया पर ड्राइवर भागने में सफल रहा।जिसपर मृतक की बहिन की फरियाद पर रावतपुरा थाने में मर्ग कायम कर मामला बिबेचना में लिया गया ।

इनका कहना: अज्ञात युवक की सूचना पर तस्तीक कर मृतक की पहचान की गई मामले की विवेचना में जो भी तथ्य आएंगे उनके हिसाब से आगामी कार्यबाही की जायेगी ।

अवनीश बंसल, एस.डी.ओ.पी लहार

जल्द वायुसेना का गठन करेगा तालिबान, लिट्टे के बाद हवाई ताकत अर्जित करने वाला दूसरा आतंकी संगठन

काबुल। काबुल पर कब्जा करने के दो महीने बाद तालिबान अब खुद की वायु सेना स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसी के साथ तालिबान दुनिया का दूसरा ऐसा आतंकी संगठन बन जाएगा, जिसके पास खुद की वायु सेना होगी। अब तक श्रीलंका की लिट्टे (एलटीटीई) के पास ही हवाई ताकत हुआ करती थी। एलटीटीई के पास श्रीलंकन वायु सेना के मिग-21 लड़ाकू विमान थे, जिसे बाद में श्रीलंकाई सेना ने नष्ट कर दिया था।

तालिबान ने अफगान वायु सेना के विमानों और हेलिकॉप्टरों पर कब्जा कर लिया है। तालिबान ने काबुल पर कब्जे से पहले ही कंधार में अफगान वायु सेना के लड़ाकू हेलिकॉप्टरों को जब्त कर लिया था। तब तालिबान लड़ाके रूस में बने एमआई-17 और अमेरिका के ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर के साथ फोटो खिंचवाते नजर आए थे। तालिबान के प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि हम वायु सेना के गठन की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो

पायलट अफगान वायु सेना में काम कर रहे थे, उन सभी को माफी दे दी गई है। हमने उन्हें वापस आने और फिर से सेना में शामिल होने और अपने देश की मदद करने के लिए कहा है।

इन विमानों और हेलिकॉप्टरों के साथ तालिबान लड़ाकों की कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही हैं। तालिबान वर्तमान में पूर्व अफगान पायलटों के माध्यम से इन हेलिकॉप्टरों को उड़ा रहा है। तालिबान लड़ाकों के परेड के दौरान भी उनके काफिले के ऊपर हेलिकॉप्टरों को उड़ते देखा गया था। इतना ही नहीं, कुछ दिन पहले काबुल में मिलिट्री अस्पताल पर हुए हमले के दौरान तालिबान ने ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर के जरिए ही लड़ाकों को उतारा था।

तालिबान के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता कारी सईद खोस्ती ने कहा हम पिछली सरकार की वायु सेना का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके पास जो प्रोफेशनल्स थे, हम कोशिश कर रहे हैं कि वे सभी काम पर लौटें। हमारे पास हर विभाग के लिए योजनाएं हैं। हम इन लोगों की खोजबीन कर रहे हैं। तालिबान के एक उच्च अधिकारी ने कहा हमारे लिए वायु सेना को स्थापित करना अनिवार्य है। इसमें कोई शक नहीं है कि एक पूर्ण वायु सेना जल्द ही बनाई जाएगी। एक बार शासन पूरी तरह से स्थापित हो जाने के बाद हम इन तैयारियों को और तेज करेंगे। हमारा शासन अभी तक पूरी तरह से स्थापित नहीं हुआ है। सुरक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्ला ख्वारिज्मी ने कहा कि जिस विमान को छोटी-मोटी मरम्मत की जरूरत थी उन्हें ठीक कर लिया गया है।

अमेरिका को चुनौती देने के लिए अपने परमाणु हथियारों के जखीरें को बढ़ने में जुटा चीन

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन बड़ी तेजी के साथ अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने में जुटा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल उसके पास अनुमानित तौर पर 200 से कम परमाणु हथियार हैं, जो अगले सात वर्ष में बढ़कर 700 और वर्ष 2030 तक एक हजार हो जाएंगे। पेंटागन की तरफ से जारी ये रिपोर्ट करीब 192 पेज की है। बता दें कि वर्ष 2000 के बाद से ही अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन की तरफ से इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। हालांकि इस बार रिपोर्ट को जारी करने में पिछले वर्ष की तुलना में दो माह का समय अधिक लगा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की तेजी का मकसद अपने मजबूत और ताकतवर दुश्मनों को युद्ध में हराना है। इसमें

अमेरिका और दूसरे देश भी शामिल हैं। बता दें कि चीन और ताइवान के बीच सीमा विवाद काफी पुराना है। ताइवान को चीन जहां अपना हिस्सा बताता है वहीं ताइवान खुद को एक स्वंतत्र राष्ट्र के तौर पर पेश करता है। लेकिन चीन की तरफ से साफ कहा गया है कि ताइवान को अपने में मिलाने के लिए वहां किसी भी हद तक जा सकता है। इसके लिए यदि युद्ध भी करना पड़ेगा, तब वहां इससे भी पीछे नहीं हटेगा।वहीं ताइवान साफ कर चुका है कि वहां किसी भी सूरत में चीन के दबाव में आने वाला नहीं है। ताइवान की राष्ट्रपति साई वेंग कह चुकी है कि वहां अपने समर्थक देशों के साथ मिलकर चीन का मजबूती से मुकाबला करने को तैयार हैं। दरअसल ताइवान के मुद्दे पर चीन तीसरे देश की दखल को लेकर भी काफी चिढ़ा हुआ है। इस मामले में चीन अमेरिका को भी सीधेतौर पर आगाह कर चुका है।रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन लगातार खुद को न सिर्फ इस क्षेत्र में बल्कि पूरे विश्व में एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रहा है। यूएस नेवल वार कालेज के प्रोफेसर आफ स्ट्रेटेजिक एड्यू एरिक्सन ने बताया है कि बीते दो दशकों में चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने हार्डवेयर बनाने और इसकी क्वालिटी को बेहतर करने, अपने संगठनों की कमजोरी को दूर कर उसको मजबूत करने, आपसी सहयोग बढ़ाने, ट्रेनिंग पर काफी जोर दिया है।

इमरान सरकार के खिलाफ शनिवार को देश-व्यापी विरोध प्रदर्शन करेगा विपक्षी गठबंधन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ती मंहगाई और बिगड़ते हालत के मद्देनजर बहुदलीय विपक्षी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) ने शनिवार को प्रधान मंत्री इमरान खान सरकार के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता और गठबंधन के महासचिव शाहिद खाकान अब्बासी द्वारा जारी बयान के अनुसार पीडीएम ने देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू करने के साथ-साथ सरकार विरोधी मार्च निकालने का भी फैसला किया है। पूर्व प्रधानमंत्री अब्बासी ने कहा आज पीडीएम की आभासी बैठक के दौरान देश में समग्र आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता गठबंधन के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने की। अब्बासी ने बताया कि बैठक में मुद्रास्फीति, राष्ट्रीय जवाबदेही अध्यादेश, तथाकथित चुनावी सुधार आदि मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा पीडीएम ने घी, चीनी, दवाएं और अन्य आवश्यक वस्तुएं बिजली, गैस, पेट्रोल, गेहूं के आटे की कीमतों में वृद्धि को खारिज कर दिया। पीडीएम की वर्चुअल बैठक में फैसला लिया गया है कि सभी प्रांतीय राजधानियों में इमरान सरकार विरोध रैलियां की जाएंगी। अब्बासी ने कहा 13 नवंबर को कराची में, 17 नवंबर को क्वेटा में और 20 नवंबर को पेशावर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा आखिरी रैली लाहौर में निकाली जाएगी, जहां से प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद की ओर कूच करेंगे। उन्होंने कहा यह इमरान खान से देश को छुटकारा दिलाने के लिए शुरु किया गया आंदोलन है, जो प्रधानमंत्री की पैकिंग करने के बाद ही समाप्त होगा।

प्रजातंत्र में पत्रकार सही राह दिखाते हैं : केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

नेशन फर्स्ट को ध्यान में रखकर अपने दायित्व का निर्वहन करें : श्री माहुरकर

डिजियाना उद्भव राष्ट्रीय पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

वरिष्ठ पत्रकारों का हुआ सम्मान

ग्वालियर। प्रजातंत्र में राजनेता और पत्रकार एक ही सिक्के के दो पहलू के सामन है। दोनों का एक ही लक्ष्य है जनसेवा। माध्यम भर अलग-अलग होते हैं। इस आशय के विचार केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने व्यक्त किए। श्री सिंधिया डिजियाना उद्भव राष्टीय पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री सिंधिया ने कहा कि प्रजातंत्र में राजनेताओं की भूमिका जनसेवक की और पत्रकारों की भूमिका पहरेदार के रूप में होती है। पहरेदार, जनसेवकों अर्थात राजनेताओं को सही रास्ता दिखाने का काम करते हैं।

सोमवार को यहाँ भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान के स्व. काशीनाथ चतुर्वेदी सभागार में आयोजित हुए भव्य व गरिमामयी कार्यक्रम में देश के जानेमाने लेखक विश्लेषक व पत्रकार तथा भारत सरकार के सूचना आयुक्त श्री उदय माहुरकर को वर्ष 2021 का लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रदान किया । इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में एक दर्जन से अधिक पत्रकार भी सम्मानित किए गए। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया भी विशेष रूप से मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने संत कबीर के प्रसिद्ध दोहे ÷निंदक नियरे राखिएÞ का उदाहरण देते हुए कहा कि आलोचक को सदैव अपने करीब रखना चाहिए। यदि हमें अपनी कमियां पता चल जायेंगी तो हम एक बेहतर इंसान बन सकेंगे। श्री सिंधिया ने यह भी कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भी पत्रकारों का अहम योगदान रहा। हाल ही में जब कोरोना का संकट आया तब भी देशभर में पत्रकारों ने अपनी और अपने परिवार की चिंता किए बिना सड़क पर उतरकर सरकार और प्रशासन का सहयोग किया।

श्री सिंधिया ने इस अवसर पर पत्रकारों का भी आह्वान किया कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में भी मूल्य और सिद्धांत न भूलें। साथ ही पत्रकारिता के प्रति लोगों की विश्वसनीयता भी कम नहीं होनी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे देश के सूचना आयुक्त एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री उदय माहुरकर ने कहा कि पत्रकारिता में वर्तमान दौर में साधन, तकनीक व सुविधायें आ गई हैं। पर कलमकारों को टीआरपी की अंधी दौड़ में शामिल न होकर कोई भी ऐसी खबर प्रसारित नहीं करना चाहिए जो देश के लिये घातक साबित हो। उन्होंने कहा हमारी पत्रकारिता में नेशन फर्स्ट होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश का हर नागरिक अगर इस भावना को अपना ले कि देश प्रथम है तो भारत को विश्व गुरू बनने से कोई नहीं रोक सकता। श्री माहुरकर ने वीर सावरकर के राष्ट्रवाद के सिद्धांत को बखूबी ढंग से परिभाषित किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार श्री पुष्पेंद्र सिंह ने किया। अंत में भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान के निदेशक श्री आलोक शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डिगजियाना मीडिया समूह के एम.डी. श्री तेजिन्दर पाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सेवानिवृत्त अपर आयुक्त जनसंपर्क श्री आरएमपी सिंह व वरिष्ठ पत्रकार श्री अभिलाष खाण्डेकर सहित ज्यूरी के अन्य सदस्यगण मौजूद थे। आरंभ में समारोह के सम्बन्ध में उद्भव संस्था के अध्यक्ष डॉ. केशव पाण्डेय व सचिव श्री दीपक तोमर ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की।

पत्रकारिता की विभिन्न श्रेणियों में इनका हुआ सम्मान

उद्भव राष्टीय पत्रकारिता सम्मान समारोह में ''राज्य स्तरीय सम्मान'' प्रिन्ट मीडिया केटेगरी में ग्वालियर के श्री धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया तथा इलेक्ट्रोनिक केटेगरी में भोपाल के श्री शरद द्विवेदी को प्रदान किया गया । साथ ही दि प्रेसिडेंस मैगजीन के सौजन्य से यंग ऐचीवर अवार्ड भी प्रदान किया गया ।

ग्वालियर के देव श्रीमाली, भोपाल के श्री प्रमोद भारद्वाज एवं इन्दौर के श्री उज्जवल शुक्ला को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया । स्तम्भकार लेखक की श्रेणी में श्री कृष्ण मोहन झा सम्मानित किए गए।

एजेन्सी श्रेणी में आई.ए.एन.एस. भोपाल के श्री संदीप पॉराणिक तथा पी.आर.ओ. श्रेणी में ग्वालियर के श्री मधु सोलापुरकर को सम्मानित किया गया । इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये ग्वालियर के स्टार रिपोटर्स एवं फोटोग्राफर को भी उद्भव पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया गया । इनमें ग्वालियर से उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए स्टार रिपोर्टस सम्मान मनीष शर्मा (दैनिक भास्कर) एंव महेश गुप्ता (पत्रिका) को प्रदान किया गया। यंग एचीवरस् अवार्ड श्री वरुण शर्मा (नई दुनिया) को एंव फोटो जर्नलिस्ट अवार्ड से श्री राजेश जायसवाल (स्वदेश) को सम्मानित किया गया। साथ ही ग्वालियर हलचल की श्रीमती कविता मांडरे को भी सम्मानित किया गया।

सामाजिक समरसता एवं आपसी संबंधों की प्रगाढ़ता का त्यौहार है दीपावली

ओजस्विनी विचार मंच की दीपोत्सव और सामाजिक चेतना विषय पर कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। हमारे रोम - रोम में विराजमान प्रभु श्री राम की अनन्य भक्ति, उत्साह और आनंद के चरम पर मनाया जाने वाला दीपावली का पर्व भारतीय सनातन संस्कृति का श्रेष्ठ और विशालतम उत्सव है । भक्ति के साथ-साथ यह पवित्र त्यौहार आपसी संबंधों की प्रगाढ़ता, सामाजिक समरसता, संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना की गंगोत्री है । सामाजिक,आर्थिक, वैज्ञानिक प्रत्येक दृष्टि से राष्ट के विकास की कुंजी है। आवश्यकता है दीपावली के मूल संदेश को समझने की।

हमारे देश में इतने विशाल उत्सव पर प्रत्येक घर में रोशनी हो, हर चेहरे पर मुस्कान हो, खुशियों के खील बताशे बटें, जिससे ना केवल सामाजिक बल्कि आर्थिक रूप से भी राष्ट्र का वैभव बड़े । जिस प्रकार मिट्टी, तेल और बाती सर्वथा भिन्न प्रकृति की होते हुए भी एक नन्हा दीप बनकर प्रकाश फैलाते हैं वैसे ही हम भी विभिन्नता में एकता की धारणा को चरितार्थ करें । आओ दीपोत्सव पर किसी की खुशी की वजह बन जायें।

उच्च विचार परिचर्चा में भाग लेने वाली बहनों ने रखें ।कार्यक्रम में कुल 59 बहनों ने उपस्थिति दर्ज कराई । संचालन श्रीमती नंदिता चतुर्वेदी ने किया । मंत्रमुग्ध करने वाला गीत श्रीमती स्मिता काटे (भोपाल) ने प्रस्तुत किया । अध्यक्षता डॉ सुमन मिश्र ने की एवं मुख्य वक्ता के रूप में कुक्षी (जिला धार) से श्रीमती अमृता भावसार जी उपस्थित रहीं । अतिथि परिचय श्रीमती निधि मिश्रा एवं श्रीमती निवेदिता चतुर्वेदी ने दिया । परिचर्चा में श्रीमती श्रद्धा सोम सिंह , कु. रिचा गुप्ता ,श्रीमती मानसी सोलापुरकर , श्रीमती नीता शुक्ला, श्रीमती सीमा दुबे श्रीमती आशा शर्मा (दिल्ली), श्रीमती रेखा शर्मा , डॉ लक्ष्मी शर्मा,डॉ शालिनी पांडे एवं डॉ मंदाकिनी शर्मा ने भाग लिया । अंत में आभार प्रदर्शन ओजस्विनी विचार मंच की संयोजिका डॉ कल्पना शर्मा ने किया।

श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की संत कृपाल सिंह महाराज से सौजन्य मुलाकात

ग्वालियर। आज दिनांक 8 नवंबर 2021 को अध्यात्म निकेतन ग्वालियर में श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी पधारे उन्होंने आगमन के साथ ही परम पूज्य संत योगी मानसिंह जी के. एस. हुजूर मालिक साहब जी की पवित्र समाधि पर चादर चढ़ाकर आशीर्वाद लिया उसके पश्चात आए गणमान्य नागरिकों सत्संगीयों समाज के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। पूज्य संत कृपाल सिंह जी के परिवार के साथ एक सौजन्य भेंट की । संत श्री के साथ में आध्यात्मिक चर्चा भी की।

10, 17 और 24 नवम्बर और 01 दिसम्बर को चलेगा टीकाकरण का महाअभियान, निगम के जोनल कार्यालय पर पदस्थ कर्मचारी आमजनों को करें द्वितीय डोज के लिए प्रेरितः निगमायुक्त श्री कन्याल

ग्वालियर। प्रदेश में 25 दिसम्बर तक शत-प्रतिशत पात्र लोगों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगाना सुनिश्चित किया जाना है। इसके लिए 10, 17 और 24 नवम्बर और 01 दिसम्बर को चलेगा टीकाकरण का महाअभियान चलाया जा रहा है। महाअभियान के दौरान नगर निगम ग्वालियर के सभी जोनल कार्यालयों पर पदस्थ कर्मचारी सक्रियता से कार्य कर पात्र आमजनों को द्वितीय डोज के लिए जागरूक करें। इसके लिए सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को क्षेत्र में भेजें। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने आज सोमवार को क्षेत्राधिकारियों के साथ टीकाकरण महाअभियान की तैयारियों को लेकर बैठक में दिए। टीकाकरण महाअभियान के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर ग्वालियर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा बैठक लेकर दिए गए निर्देशों के क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री कन्याल ने देर शाम निगम मुख्यालय में सभी क्षेत्राधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें टीकाकरण महाअभियान के लिए अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को सक्रिय करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही निगमायुक्त ने यह भी निर्देश दिये कि संबंधित क्षेत्राधिकारी अपने क्षेत्र के इंसीडेंट कमांडर से समनव्य बनाकर टीकाकरण केन्द्रों पर आवशय व्यवस्थायें सुनिश्चित करें। निगमायुक्त श्री कन्याल ने बैठक में बताया कि टीकाकरण महाअभियान की सफलता के लिए हमें इसे जनआंदोलन बनाने के जरूरत है। इसके लिए सभी डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनों पर टीकाकरण का जिंगल बजाया जाये।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में ग्वालियर-टू-ग्लोबल समिट आयोजित

कहा सभी के साझा प्रयासों से मूर्तरूप लेगा 'ग्वालियर-टू-ग्लोबल' का विचार

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया %ग्वालियर-टू- ग्लोबल' समिट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा ग्वालियर के विकास के लिए शैक्षणिक संस्थान, उद्यमी, बुद्धिजीवियों व युवाओं को एक साथ आना होगा। सभी के प्रयास ऐसे हों जिससे इस प्रकार के नए भारत का निर्माण हो जो हमारी संस्कृति और आधुनिकता का संगम बने। श्री सिंधिया ने जीटूजी के विचार को ग्वालियर-टू-ग्लोबल से ग्लोबल-टू-ग्वालियर तक विस्तृत करने पर बल दिया। इसके लिए उन्होंने सात सूत्र भी बताए। उन्होंने कहा कि ग्वालियर पर्यटन के लिहाज से अपार संभावनाओं का शहर है। जरूरत यहाँ की खूबियों की बेहतर ब्रांडिंग की है, जिससे देश-विदेश के लोग ग्वालियर की ओर आकर्षित हों।

सोमवार को यहाँ जीवाजी विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय अटल विहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में सीआईआई (कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज) तथा जीवाजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ग्वालियर-टू-ग्लोबल सबमिट का आयोजन हुआ। ग्वालियर के उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से इस समिट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीवाजी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, डीआरडीओ के डॉ. सैलेश जायसवाल, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, सीआईआई से जु? शहर के वरिष्ठ उद्यमी श्री आशीष वैश्य सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधिगण, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल व श्री रामबरन गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री सुशील मण्डेलिया एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष और सर्वश्री डीडी अग्रवाल, वीरेन्द्र गंगवाल, प्रवीण अग्रवाल, भरत झवर, अशोक विजयवर्गीय, केजी दीक्षित सहित अन्य उद्यमी मौजूद थे।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर-टू-ग्लोबल समिट को शहर व देश के समग्र विकास के लिए अच्छी प्रक्रिया बताया। श्री सिंधिया ने कहा कि शहर में विश्वस्तरीय संस्थान हैं और यहाँ के उत्पाद भी उत्कृष्ट हैं। बस सही तरीके से इनकी ब्रांडिंग किए जाने किए जाने की जरूरत है। ग्वालियर शहर रेल, स?क व वायुमार्ग से देश के सभी भागों से जु?ा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478